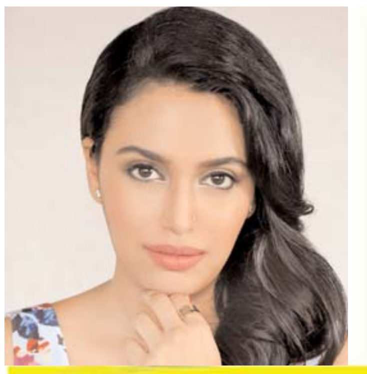

दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 03, अंक 233 | ग्वालियर शनिवार 29 अगस्त 2020 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य 01, रुपए, पृष्ठ 8

न्यूज ट्रैक

सरकार ने हवाई यात्रा के दौरान खाना परोसने की दी अनुमति, मास्क नहीं लगाने वालों पर सख्ती

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने विमानन कंपनियों को घरेलू उड़ानों में पहले से पैक स्नैक्स, भोजन और पेय पदार्थ तथा अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में गर्म भोजन परोसने की अनुमति दी है। विमानन नियामक डीजीसीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इसके अलावा अगर कोई यात्री उड़ान के दौरान फेस मास्क पहनने से इनकार करता है, विमानन कंपनी उसे नो-फ्लाई सूची में डाल सकती है, यानी उस पर हवाई यात्रा से रोक लगाई जा सकती है। घरेलू विमानन सेवाओं की 25 मई से बहाली के बाद कोरोना वायरस महामारी के कारण उड़ानों में भोजना सेवा की इजाजत नहीं दी गई थी। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में इस साल मई से उड़ान की अवधि के आधार पर केवल पहले से पैक ठंडा भोजन और स्नैक्स परोसा जा रहा था। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने गुरुवार को एक आदेश में कहा कि विमानन कंपनियां उड़ान की अवधि के आधार पर घरेलू उड़ानों में पहले से पैक स्नैक्स, भोजन, पेय पदार्थ परोस सकती है। इसमें कहा गया कि विमानन सेवाएं और चार्टर फ्लाइट के परिचालक अंतरराष्ट्रीय मानक के अनुसार अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में गर्म भोजन और सीमित पेय परोस सकती हैं। मंत्रालय ने कहा कि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में खाद्य या पेय पदार्थों को परोसते समय केवल एक बार उपयोग में आने वाली ट्रे, प्लेट और कटलरी का उपयोग किया जाना चाहिए। आदेश में यह भी कहा गया है कि चालक दल के सदस्यों को भोजना या पेय परोसते समय हर बार नए दस्ताने पहनने होंगे। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के दौरान यात्रियों को उपलब्धता के आधार पर मनोरंजन प्रणाली का इस्तेमाल करने की इजाजत दी गई है।

नेटफ्लिक्स की बैड बॉय बिलिनियर्स की प्री स्क्रीनिंग देखना चाहता था मेहुल चोकसी दिल्ली हाईकोर्ट ने खारिज की याचिका

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को पंजाब नेशनल बैंक घोटाले के आरोपी मेहुल चोकसी की उस याचिका को खारिज कर दी, जिसमें उसने नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज अथवा डॉक्यूमेंट्री बैड बॉय बिलिनियर्स की प्री स्क्रीनिंग (रिलीज से पहले देखने के लिए) की मांग की थी। भगोड़े हीरा व्यापारी मेहुल चोकसी ने अपनी याचिका में नेटफ्लिक्स की दो सितंबर को रिलीज होने वाली डॉक्यूमेंट्री बैड बॉय बिलिनियर्स के रिलीज को भी स्थगित करने की मांग की थी। जस्टिस नवीन चावला ने दो घंटे से अधिक समय तक इस मामले की सुनवाई के बाद मेहुल चोकसी को राहत देने से इनकार करते हुए कहा कि एक निजी अधिकार के प्रवर्तन के लिए एक रिट याचिका को बरकरार नहीं रखा जा सकता है। बता दें कि गीतांजलि जेम्स के प्रवर्तक चोकसी और उसके भतीजे नीरव मोदी 13,500 करोड़ रुपये से अधिक के पंजाब नेशल बैंक धोखाधड़ी मामले में आरोपी हैं। चोकसी पिछले साल देश छोड़ कर भाग गया था और फिलहाल एंटीगुआ में रह रहा है। इससे पहले न्यायमूर्ति नवीन चावला ने नेटफ्लिक्स के वकील से मौखिक रूप से कहा था कि वह चोकसी को इसकी %प्री-स्क्रीनिंग% (रिलीज से पहले देखने के लिये) उपलब्ध कराने पर विचार करे और विवाद पर विराम लगाये। हालांकि, कोर्ट ने अंतिम सुनवाई आज के लिए टाल दी थी। दरअसल, इस वेब सीरीज के 2 सितंबर को भारत में रिलीज होने का कार्यक्रम है। नेटफ्लिक्स पर इसके बारे में यह बताया गया है कि यह एक ऐसा डॉक्यूमेंट्री है जो भारत के सर्वाधिक कुख्यात उद्योगपतियों के लालच, फरेब और भ्रष्टाचार को बयां करता है। इसमें भगोड़ा कारोबारी विजय माल्या, नीरव मोदी के साथ-साथ सुब्रत रॉय और बी राजू रामलिंग राजू के विवादित मामलों पर प्रकाश डाला गया है। अदालत में चोकसी का प्रतिनिधित्व कर रहे अधिवक्ता विजय अग्रवाल ने इस वेब सीरीज की रिलीज को टाले जाने का अनुरोध किया है।

ऊर्जा मंत्री की भाभी का सात महीने में आया 1 करोड़ का बिल, कंपनी ने काट दिया बिजली कनेक्शन

भोपाल। मध्य प्रदेश में बिजली कंपनी ने ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के परिवार को भी नहीं बक्शा और बिजली का बिल बकाया होने पर कनेक्शन काट दिया। बिलौआ क्रशर मार्केट में बिजली कंपनी की टीम ने गुरुवार को कार्रवाई करते हुए ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के बड़े भाई देवेंद्र सिंह तोमर की पत्नी मनोरमा तोमर के ऋतुराज स्टोन क्रशर का एक करोड़ रुपए से ज्यादा का बिल बकाया होने पर बिजली कनेक्शन काट दिया।

7 महीने से लगातार नोटिस, पर नहीं जमा कराया बिल–बिजली कंपनी के मुताबिक सात महीने से लगातार नोटिस और समझाइश देने के बाद भी बकाया बिल का भुगतान नहीं किया जा रहा था।

इन चार पर भी कार्रवाई–बिजली कंपनी के अधिकारियों के अनुसार हेपनिंग इंफ्राटेक बिलौआ पर 26 लाख रुपए, शान स्टोन क्रशर बिलौआ पर 11 लाख, मंशा ग्रेनाइट बिलौआ पर 10 लाख और श्रीजी एसोसिएट बिलौआ पर 25 लाख रुपए का बिल बकाया है।

पीएम मोदी ने शिंजो आबे के जल्द ठीक होने की कामना की

बोले खराब स्वास्थ के बारे में जानकर दुख हुआ

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे के खराब स्वास्थ्य पर दुख जताते हुए कहा कि उनके बुद्धिमता पूर्ण नेतृत्व और निजी प्रतिबद्धता के कारण भारत-जापान की साझेदारी पहले से कहीं अधिक गहरी और मजबूत हुई है। जापान के सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री बने रहने वाले आबे ने आज कहा था कि वह सेहत संबंधी एक गंभीर समस्या के दोबारा उभरने के बाद पद छोड़ना चाहते हैं। पीएम मोदी ने ट्वीट किया, मेरे प्रिय मित्र शिंजो आबे, आपकी खराब सेहत के बारे में जानकर दुख हुआ। पिछले कुछ साल में आपके बुद्धिमता पूर्ण नेतृत्व और निजी प्रतिबद्धता की वजह से भारत-जापान साझेदारी पहले से कहीं अधिक गहरी और मजबूत हो गयी है। मैं आपके जल्द स्वस्थ होने की कामना और प्रार्थना करता हूं। इससे पहले, जापान के

प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने इस्तीफा दे दिया है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे अपनी सेहत कारणों को लेकर इस्तीफा दिया है। शिंजो आबे बीमार चल रहे हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान शिंजो आबे ने कहा कि मैंने प्रधानमंत्री के पद से हटने का फैसला किया है। बताया जा रहा है कि आबे पुरानी बीमारी अल्सरेटिव कोलाइटिस से जूझ रहे हैं। इसके अलावा, प्रधानमंत्री शिंजो आबे के स्वास्थ्य को लेकर अटकलें हफ्तों से लग रही हैं, मगर हाल के दिनों में लगातार तेज बुखार आने की वजह से वह जांच के लिए दो बार अस्पताल गए। आब ने कहा कि मैं अपनी इस बीमारी के लिए एक नया ट्रीटमेंट करा रहा हूं, जिसमें नियमित रूप से जांच और देखरेख की जरूरत है। मैं अपने ट्रीटमेंट के दौरान अपने कर्तव्यों के निर्वहन के लिए पर्याप्त समय नहीं दे पाऊंगा। आबे ने कहा, अब जब मैं विश्वास के साथ लोगों से मिले जनादेश को पूरा करने में सक्षम नहीं हूं, तो मैंने फैसला किया है कि मुझे अब प्रधानमंत्री के पद पर बने नहीं रहना चाहिए। बताया जा रहा है कि आबे तब तक पद पर बने रहेंगे, जब तक कि उनकी सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी एक उत्तराधिकारी नहीं चुन लेती। बता दें कि पीएम पद के लिए चुनाव पार्टी के सांसदों और सदस्यों के बीच ही होने की संभावना है।

फ्रांस के साथ संबंध होंगे और मजबूत

फ्रांसीसी रक्षा मंत्री कर सकती हैं भारत का दौरा

नई दिल्ली। फ्रांस की रक्षा मंत्री फ्लोरेंस पार्ली के पांच राफेल लड़ाकू विमानों को औपचारिक रूप से भारतीय वायुसेना में शामिल किए जाने और रणनीतिक संबंधों को और बढ़ावा देने के लिए अपने भारतीय समकक्ष राजनाथ सिंह के साथ बातचीत के उद्देश्य से अगले महीने भारत दौरे पर आने की उम्मीद है। मामले के बारे में जानकारी रखने वाले अधिकारियों ने शुक्रवार को यह बात कही। उन्होंने कहा कि भारतीय वायुसेना के बेड़े में राफेल विमानों को औपचारिक रूप से शामिल किए जाने का समारोह अंबाला वायुसेना अड्डे पर 10 सितंबर को होगा। इस दौरान सिंह, प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल बिपिन रावत और शीर्ष सैन्य अधिकारी मौजूद रहेंगे।

उन्होंने कहा कि पार्ली की संभावित यात्रा के लिए दोनों पक्ष संपर्क में हैं। उन्होंने कहा कि भारत द्वारा फ्रांस से 36 और राफेल लड़ाकू विमानों की संभावित खरीद को लेकर भी पार्ली की इस यात्रा के दौरान शुरुआती चर्चा हो सकती है। सैन्य प्रतिष्ठान के कुछ अधिकारियों की राय है कि संचालन संबंधी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए भारतीय वायुसेना के पास राफेल विमानों के कम से कम चार स्क्वाड्रन होने चाहिए। एक स्क्वाड्रन में कम से कम 18 विमान होते हैं। मामले के बारे में जानकारी रखने वालों ने कहा कि

उन्हें लगता है कि यह सबसे सस्ता विकल्प होगा क्योंकि भारतीय जरूरत से जुड़े सभी साजोसामान को लेकर शोध और विकास के काम की लागत पहले हुए सौदे में ही समाहित है। ऐसा समझा जा रहा है कि फ्रांसीसी पक्ष भी नए ऑर्डर के विकल्प को लेकर बातचीत का इच्छुक है। सिंह के साथ दो जून को फोन पर हुई बातचीत में फ्रांसीसी रक्षा मंत्री ने भारत आने और द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को बढ़ाने के तरीकों पर बातचीत करने की इच्छा व्यक्त की थी। पांच राफेल विमानों की पहली खेप 29 जुलाई को वायुसेना के अंबाला हवाई ठिकाने पर पहुंची थी। उन्हें अभी औचारिक रूप से भारतीय वायुसेना में शामिल नहीं किया गया है। गौरतलब है कि भारत ने 59,000 करोड़ रुपए की लागत से 36 राफेल विमान खरीदने के लिए फ्रांस के साथ सितंबर 2016 में अंतर सरकारी समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। भारत को अब तक 10 राफेल विमानों की आपूर्ति की जा चुकी है जिनमें से पांच अभी फ्रांस में ही हैं जिससे भारतीय वायुसेना के पायलट उन पर प्रशिक्षण प्राप्त कर सकें।

फांसी लगाने के लिए टावर पर चढ़ा युवक 3 घंटे बाद एएसपी के पैरों से लिपट गया

नरसिंहपुर, एजेंसी। पारिवारिक जमीन के विवाद के चलते नरसिंहपुर का एक युवक नीलेश पचौरी फांसी लगाने के लिए मोबाइल टावर पर चढ़ गया। देखते ही देखते वहां वालों का हुजूम लग गया। पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने हाथ पैर जोड़कर मनाने का प्रयास किया, लेकिन युवक ने एक न सुनी। वह फंदा बनाकर फांसी लगाने की कोशिश करने लगा। तभी मौके पर एडिशनल एसपी राजेश तिवारी आ गए। उन्होंने बोला, बेटा क्या दिक्कत है, तुम्हारी समस्या का समाधान किया जाएगा। इतना सुनते ही वह नीचे उतरा और रस्सी को फर्श पर रखकर रोते हुए एएसपी का पैर पकड़ लिया। एएसपी ने उसके कंधे पर हाथ रखते हुए कहा कि कभी ऑफिस आकर अपनी समस्या तो बताते. आत्महत्या करना समस्या का समाधान नहीं है। नीलेश मूलतः नरसिंहपुर के राम वार्ड का निवासी है, जो बीते कुछ सालों से भोपाल में रह रहा था और बाद में मंडला काम करने चला गया। अभी कुछ दिन पहले ही वह नरसिंहपुर अपने घर आया था।

मप्र में कोरोना वायरस के 1317 नए मरीज, मौत का आंकड़ा 1300 के पार

भोपाल। वैश्विक महामारी कोरोना के मध्य प्रदेश में बढ़ते प्रकोप के बीच आज 1317 नए संक्रमित मिलने के बाद कोरोना वायरस से पीड़ित लोगों की संख्या 58181 हो गई। चौबीस और लोगों की मौत के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 1306 हो गई है। राज्य के स्वास्थ्य संचालनालय की ओर से जारी बुलेटिन के अनुसार 23805 सैंपल की जांच में 1317 व्यक्ति संक्रमित मिले। इस तरह संक्रमण की दर 5.5 प्रतिशत रही और कुल संक्रमितों की संख्या 60 हजार के करीब 58181 तक पहुंच गई है। इस अवधि में 24 और लोगों की मौत हुई है और मृतकों की संख्या 1306 तक पहुंच गई है। आज 1207 लोगों ने संक्रमण को मात दी और अब तक कुल 44453 व्यक्ति कोरोना संक्रमण से मुक्त हो चुके हैं। वहीं एक्टिव केस यानी उपचाररत मरीजों की संख्या 12422 है, जिनका विभिन्न अस्पतालों, होम आइसोलेशन और संस्थागत क्वारेंटाइन सेंटर में इलाज चल रहा है। सबसे अधिक संक्रमित व्यक्ति 171 इंदौर जिले में मिले और यहां पर कुल संख्या 12031 तक पहुंच गई।

कर्मचारी का शव उसके घर भेजने के लिए कंपनी ने खर्च किए 60 लाख रुपये

इंदौर। आज के युग में जहां कोई किसी का सगा नहीं है वहां एक कंपनी ने अपने कर्मचारी की मृत्यु होने पर उसके परिवार के लिए बहुत ही सराहनीय काम किया है। विसुवियस इंडिया लिमिटेड नाम की एक कंपनी ने दुनिया के सामने एक ऐसा उदाहरण पेश किया है, जो शायद ही देखने को मिलता है। कोलकाता में स्थित इस कंपनी ने अपने एक मैनेजिंग डायरेक्टर की मौत के बाद उनकी पार्थिव देह इंदौर में उनके घर तक पहुंचाने के लिए 180 सीटर प्लेन ही बुक कर दिया।

50 से 60 लाख रुपए किए खर्च–मृतक के परिजनों ने बताया कि जब प्लेन कोलकाता में नहीं मिला तो दिल्ली से व्यवस्था की गई।

महाराष्ट्र: शपथग्रहण के करीब 9 महीने बाद

फिर एक मंच पर दिखे फडणवीस और अजीत पवार

मुंबई, एजेंसी। पिछले साल नवंबर महीने में बीजेपी नेता देवेन्द्र फडणवीस के मुख्यमंत्री और एनसीपी नेता अजीत पवार के उप-मुख्यमंत्री पद के ऐतिहासिक शपथ ग्रहण समारोह के बाद दोनों नेताओं ने एक बार फिर से मंच साझा किया है। लेकिन इस बार मौका था पुणे के कोविड-19 अस्पताल के उद्घाटन का। पुणे नगर निगम की बहुमंजिला कोविड-19 अस्पताल का नेताओं की तरफ से उद्घाटन किया गया। इस मौके पर फडणवीस और अजीत पवार के साथ भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल भी मौजूद थे। अस्पताल के कार्यक्रम में अजीत पवार और देवेन्द्र फडणवीस के शामिल होने से राजनीतिक जगत में भौहें खड़ी हो गई। सबसे दिलचस्प बात ये रही कि फडणवीस ने जहां पुणे जिले में अजीत पवार की तरफ से किए गए काम की

तारीफ की तो वहीं मुंबई में कोविड-19 की स्थिति को संभालने को लेकर उन्होंने राज्य सरकार और शिवसेना की आलोचना की। हाल ही में अजीत पवार के बेटे पार्थ पवार, जिन्हें मावल लोकसभा क्षेत्र से हराया गया था, उन्होंने सुशांत सिंह राजपूत केस की सीबीआई जांच के बीजेपी के रूख का समर्थन किया था। पार्थ के इस बयान से नाराज शरद पवार ने सार्वजनिक तौर पर उन्हें अपरिपक्व करार दिया था। यहां तक की सीबीआई जांच शुरू होने के बाद पार्थ ने ट्वीट करते हुए लिखा- सत्यमेव जयते। गौरतलब है कि राज्य में राष्ट्रपति शासन के लगने के बावजूद अजीत पवार ने एनसीपी से बगावत करते हुए बीजेपी के साथ हाथ मिला लिया था।

योगी बोले- पांच लाख ने दी थी बीएड की परीक्षा, किसी को नहीं हुआ कोरोना

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जेईई और नीट परीक्षाओं के आयोजन को टालने की विपक्षी राजनीतिक दलों की मांग के बीच शुक्रवार को स्पष्ट किया कि यूपी सरकार इन परीक्षाओं के आयोजन का समर्थन करती है। योगी ने लखनऊ के लोकभवन में आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में कहा, प्रदेश सरकार नीट तथा जेईई परीक्षाओं के आयोजन का समर्थन करती है। उन्होंने कहा, गत नौ अगस्त, 2020 को राज्य में बीएड की प्रवेश परीक्षा संपन्न हुई, जिसमें लगभग पांच लाख अभ्यर्थी थे। इस परीक्षा में कहीं से भी संक्रमण (कोरोना वायरस) की कोई खबर नहीं आई। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी प्रकार लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश की परीक्षा भी संपन्न कराई गई है।

विपक्षी दल परीक्षा नहीं करवाने के पक्ष में–नीट और जेईई के परीक्षा को टालने की

मांग लगातार हो रही है और छात्रों की इस मांग का विपक्षी दलों का भी समर्थन मिला है। वहीं अब गैर बीजेपी शासित राज्यों के छह मंत्रियों ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। इस याचिका में सुप्रीम कोर्ट से केंद्र को इस साल नीट, जेईई परीक्षाएं कराने की अनुमति देने वाले उसके आदेश पर पुनर्विचार का अनुरोध किया। वहीं, दूसरी तरफ राजनीतिक दलों के विरोध के बीच नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने जेईई और नीट के आयोजन की तैयारियां तेज कर दी है। बुधवार शाम तक जेईई-नीट के करीब 23 लाख में 14 लाख अभ्यर्थियों ने इसे डाउनलोड भी कर लिया। एनटीए के चैयरमैन विनीत जोशी ने कहा कि यह दर्शाता है कि बच्चे बेसब्री से परीक्षा का इंतजार कर रहे हैं।

सुशांत सिंह मामले में रिया चक्रवर्ती की होगी गिरफ्तारी?

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती से सीबीआई शुक्रवार को पूछताछ कर रही है। सुशांत मामले में सीबीआई को मुंबई में जांच करते हुए सात दिन पूरे हो चुके हैं और आज आठवां दिन है। जांच एजेंसी ने अभी तक सुशांत से जुड़े कई अहम लोगों से पूछताछ की है। हालांकि, जांच एजेंसी द्वारा रिया से पूरे मामले में पहली

बार पूछताछ हो रही है। सूत्रों के अनुसार, रिया चक्रवर्ती से सीबीआई ने मामले से जुड़े दस सवाल पूछे हैं। वहीं, सुशांत के फैन्स लगातार रिया की गिरफ्तारी को लेकर भी जांच एजेंसी पर दबाव बना रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि रिया चक्रवर्ती का बयान सीबीआई टीम की वरिष्ठ अधिकारी नूपुर प्रसाद रिकॉर्ड कर रही हैं। एजेंसी मामले में सुशांत के पिता द्वारा लगाए गए रिया पर आत्महत्या के लिए उकसाने संबंधी विभिन्न आरोपों को लेकर सवाल-जवाब कर रही है।

आठ दिनों से मुंबई में है सीबीआई की टीम

सीबीआई टीम एक्टर की मौत के मामले की जांच के लिए पिछले आठ दिन से शहर में है। बृहस्पतिवार को एजेंसी ने चक्रवर्ती के भाई शौविक चक्रवर्ती का बयान दर्ज किया था। एजेंसी ने शौविक से आठ घंटे से ज्यादा समय तक पूछताछ कर उनका बयान दर्ज किया। सीबीआई अधिकारी ने बताया कि चक्रवर्ती को शुक्रवार सुबह साढ़े दस बजे जांच टीम के समक्ष पेश होने के लिए एजेंसी ने तलब किया था।

ग्वालियर से प्रकाशित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका, ऑनलाइन न्यूज़ चैंनल, पोर्टल, एंड्रॉयड ऐप

को

सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है

ब्यूरो चीफ / रिपोर्ट्स

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल

आदि राज्यो के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है।

संपर्क करें

कार्यालय : ए ब्लॉक, 404 भाऊ साहब पोतनीस एंक्लेव, गोले का मंदिर ग्वालियर मध्यप्रदेश मो. 8269307478, 7999246560

Website - www.pushpanjalitoday.com,
Email - pushpanjalitoday@gmail.com

उपचुनाव में राष्ट्रीय नमो संघ की होगी अहम भूमिका

बूथ केंद्रों पर समाज को करें संगठित : पूनम पांडे

राष्ट्रीय नमो संघ महामंत्री पूनम पांडे ने उप चुनाव की तैयारी को लेकर पिछड़ा वर्ग मोर्चा कार्यकर्ताओं से की वीडियो कांफ्रेंस के साथ चर्चा

भिंड। राष्ट्रीय नमो संघ महामंत्री पूनम पांडे ने कहा कि हम सब निष्ठावान कार्यकर्ता है, आगामी दिनों में 27 विधानसभा के उप चुनाव होने जा रहे हैं जिसमें राष्ट्रीय नमो संघ की अहम भूमिका होने वाली है 7 हम अपने-अपने बूथ केंद्रों पर राष्ट्रीय नमो संघ से जुड़े समस्त मतदाताओं को संगठित कर मध्यप्रदेश में शिवराज सिंह जी के चौहान नेतृत्व में चल रही भाजपा की सरकार मजबूत करने के लिए भाजपा प्रत्याशियों के लिए समर्थन मांग कर अपने दायित्व का निर्वाह करें और भाजपा को जिताने का संकल्प लें 7 राष्ट्रीय नमो संघ महामंत्री पूनम पांडे ने कहा कि भिंड जिले में भी उप चुनाव होने जा रहे हैं जिनमें गोहद मेहगांव विधानसभा भी शामिल है जहां बूथ केंद्रों पर मोर्चा के कार्यकर्ता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में पिछड़ा वर्ग समाज के विकास की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचा कर उन्हें लाभ देने के लिए प्रेरित करें, यह हम सब कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है 7 उन्होंने कहा कि संघ के कार्यकर्ता हर मतदान केंद्र पर अपनी संगठन शक्ति को मजबूत करते हुए कांग्रेस के लोगों को मुंह तोड़ जवाब दें और कहा कि 15 माह से पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के नेतृत्व में सरकार चल रही थी 7 झूठ बोलकर सरकार बनाई अपने वचन पत्र के वादों को नहीं निभा पाए जिसमें 200000 तक का किसानों का कर्जा माफ करेंगे नहीं हुआ, विवाह कन्यादान योजना के तहत ?51000 खाते में डालेंगे लेकिन नहीं डाले गए, बेरोजगारों को ?4000 भत्ता देंगे लेकिन नहीं दिए गए, कानून व्यवस्था पूर्व से ध्वस्त हो गई 7 लूट डकैती अपहरण जैसी घटनाएं मध्यप्रदेश के चप्पे-चप्पे पर घटित होने लगी और मध्य प्रदेश के बल्लभ भवन में भ्रष्टाचार और के दलालों का अड्डा बना कर सरेआम लूट का केंद्र बना दिया गया 7 उन्होंने अपनी सरकार में मात्र ट्रांसफर उद्योग चलाया और विकास की ओर ध्यान नहीं दिया कमल नासिर पूर्व कमलनाथ सरकार की कांग्रेस की जनविरोधी नीतियों को भी हमें जनता तक पहुंचाएं इसके लिए संघ के हर कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है कि वे जिस मतदान केंद्र पर रहते हैं उस मतदान केंद्र की चिंता करते हुए हम भारतीय जनता पार्टी को प्रचंड बहुमत से जिताना कर मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह सरकार को मजबूती प्रदान करेंगे ताकि यह मध्य प्रदेश और समाज एक विकास की ओर आगे बढ़ सके।

ग्राम धौनपुरा में लगी ग्राम चौपाल

लहार (अर्पित गुप्ता)

लहार विधानसभा के ग्राम धौनपुरा में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया जिसमें ग्राम की छोटी छोटी समस्याओं एवं शराबबन्दी को लेकर उपस्थित सभी लोगों ने चर्चा की। चौपाल में बोलते हुए युवा वाहिनी प्रमुख संजीव नायक एडवोकेट ने कहा कि शराबमुक्त ग्राम से ही शराबमुक्त समाज का निर्माण हो सकता है, शराब के कारण ही अपराधों का जन्म होता है संजीव नायक एडवोकेट ने कहा कि ग्राम की छोटी छोटी समस्याओं का निदान चौपाल लगा कर किया जा सकता है तथा उन्होंने कहा कि कोरोना संकट के समय मास्क पहनना आवश्यक है, मौके पर बीस सदस्यीय ग्राम सुधार समिति का भी गठन किया गया, चौपाल में बोलते हुए सामाजिक कार्यकर्ता शिवचरण कुशवाह ने शराब से होने बाले दुष्परिणामो के बिषय में विस्तार से बताया उन्होंने शराब, स्मेक को सबसे खतरनाक जहर बताया। चौपाल को बृजेंद्र श्रीवास, मोहित राठौर, नवीन रजक रौनक सिंह ने भी संबोधित किया। ग्राम धौनपुरा में मास्क बितरण भी किया गया। चौपाल में उपस्थित लोगों में अजय सिंह यादव, शैलेंद्र परिहार, अरुण कुशवाह, रामू यादव, बॉबी परिहार, राजू परिहार नेक सिंह, बीर सिंह, गौरव परिहार सहित कई ग्रामीण मास्क पहनकर उपस्थित थे।

कैलारस व अंबाह अस्पताल को 1-1 लाख रुपए का इनाम

मुरैना। कायाकल्प अभियान में कैलारस का सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र व अंबाह के सिविल अस्पताल की सेवाएं बेहतर पाई जाने पर शासन ने दोनों अस्पतालों को एक-एक लाख रुपए का पुरस्कार दिए जाने की घोषणा की है। ईनाम की राशि को अस्पताल के विकास में लगाया जाएगा ताकि इस साल फिर से और बेहतर रैंकिंग हासिल की जा सके। सरकारी अस्पतालों की स्वास्थ्य सेवाओं में निखार लाने के राज्य शासन ने जनवरी में छह बिंदुओं पर प्रदेश के बड़े-छोटे सरकारी अस्पतालों का सर्वे कराया। पहली बार में सीएमएचओ की टीम ने कैलारस सीएससी के संसाधन समेत अन्य व्यवस्थाओं को चेक किया। उसके बाद भोपाल से आई स्वास्थ्य आयुक्त की टीम ने निरीक्षण में अस्पताल के इंतजामात को बेहतर पाया। इस आधार पर कैलारस व सिविल अस्पताल को राज्य शासन ने एक-एक लाख रुपए के पुरस्कार देने के लिए चयनित किया है।

पिछोर के कालिन्दी तालाब का किया जाएगा सौंदर्यीकरण

पिछोर तहसील को पूर्ण तहसील का दर्जा दिलाया जायेगा, कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने ग्रामीण क्षेत्र का भ्रमण किया

ग्वालियर। डबरा विकासखण्ड के पिछोर स्थित कालिन्दी तालाब का सौंदर्यीकरण एक करोड़ रूपए की लागत से किया जायेगा। इसके साथ ही पिछोर तहसील का उन्नयन करते हुए पूर्ण तहसील का दर्जा दिया जायेगा। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने शुक्रवार को डबरा विकासखण्ड के बिलौआ, पिछोर, गिजौर्रा पंचायत का भ्रमण किया। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने पिछोर भ्रमण के दौरान कालिन्दी तालाब के सौंदर्यीकरण का कार्य एक करोड़ रूपए की लागत से कराने का जो प्रस्ताव है उसके तहत शीघ्र कार्य प्रारंभ कराने की कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही पिछोर तहसील का उन्नयन कर पूर्ण तहसील का दर्जा दिलाने का प्रस्ताव शासन स्तर पर भेजने के निर्देश भी संबंधित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को दिए। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने ग्रामीण क्षेत्र में भ्रमण के दौरान हितग्राहीमूलक योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा करने के साथ-साथ आधार फीडिंग के कार्य की भी जानकारी ली। उन्होंने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया है कि आधार फीडिंग का कार्य शतप्रतिशत किया जाए। आधार फीडिंग के कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम श्री राघवेन्द्र पाण्डेय, तहसीलदार पिछोर श्री आनंद गोस्वामी,

सीएमओ श्री आर डी यादव, थाना प्रभारी श्री दिलीप समाधिया एवं श्री शांति सिंह यादव और विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने बिलौआ में ग्राम पंचायत के माध्यम से हितग्राहीमूलक योजनाओं के क्रियान्वयन में की जा रही कार्रवाई की समीक्षा की और आधार फीडिंग का कार्य तेजी से करने के निर्देश दिए। उन्होंने गिजौर्रा ग्राम पंचायत में भी हितग्राहीमूलक योजनाओं और स्व-रोजगार के लिए किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने गिजौर्रा में थाने के पास की भूमि के आवंटन के संबंध में जानकारी प्राप्त की और एसडीएम को निर्देशित किया कि जमीन आवंटन के संबंध में प्रस्ताव शीघ्र जिला स्तर पर भेजा जाए। उन्होंने पिछोर पहुँचकर कालिन्दी तालाब के सौंदर्यीकरण के लिए तैयार किए गए प्रस्ताव की जानकारी ली और स्थल का भी निरीक्षण किया। कालिन्दी तालाब को और बेहतर बनाने तथा तालाब का सौंदर्यीकरण करने का कार्य तत्परता से किए जाने के संबंध में भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने राजस्व अधिकारियों और पुलिस अधिकारियों से चर्चा के दौरान कहा कि आने वाले त्यौहारों में कोविड-19 के तहत जो प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जाना है, उस पर विशेष निगरानी करें। जिले में सभी जगह त्यौहार शांति और सदभाव के साथ मने। इसके लिये राजस्व एवं पुलिस अधिकारी थाना स्तर पर संयुक्त बैठकें लेकर नगर के गणमान्य नागरिकों से चर्चा करें और कोविड-19 के संक्रमण को देखते हुए लोग शांति और सदभाव के साथ अपने घरों पर ही त्यौहार मनाएँ, ऐसी व्यवस्था भी सुनिश्चित करें।

चलित जलाशय में गणेश मूर्ति विसर्जन 29 अगस्त एवं एक सितम्बर को

कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, नगर निगम आयुक्त कटोराताल से वाहनों को रवाना करेंगे

ग्वालियर। जिला प्रशासन एवं नगर निगम ग्वालियर द्वारा आयोजित चलित जलाशय में गणेश मूर्ति विसर्जन 29 अगस्त एवं एक सितम्बर को किया जायेगा। वरिष्ठ नागरिक सेवा संस्थान ग्वालियर एवं जिला शांति समिति ग्वालियर इस कार्यक्रम का सहयोगी है, जबकि ऑटोमोबाईल व्यवसाई, जीवाजी क्लब, वैक्ट्स लिमिटेड आदि ने नये वाहन, नयी पानी की टंकियां एवं अन्य सहयोग उपलब्ध कराया है। इन चलित वाहनों को शहर के प्रमुख चौराहों पर खड़ा करके गणेश मूर्तियां ली जायेंगी और उन्हें गंगाजल युक्त पानी की टंकियों में विसर्जन हेतु लिया जायेगा। तत्पश्चात सागरताल में मूर्तियों का विसर्जन होगा। एडीएम किशोर कान्याल ने बताया कि 29 अगस्त को दोपहर 2 बजे कटोराताल पर वाहनों को रवाना करने का कार्यक्रम रखा गया है। इस अवसर पर अपर आयुक्त नगर निगम श्री नरोत्तम भार्गव, कार्यक्रम संयोजक श्री एम.एल. अरोरा, वरिष्ठ नागरिक सेवा संस्थान लश्कर ईकाई के अध्यक्ष श्री अशोक शर्मा सहित अधिकारीगण उपस्थित रहेंगे। जिन प्रमुख चौराहों को सम्मिलित किया गया है उनमें इंदरगंज, महाराज बाड़ा, फूलबाग, किलागेट ग्वालियर, बारादरी चौराहा सहित अन्य चौराहे सम्मिलित हैं। यह कार्यक्रम एक सितम्बर को भी आयोजित होगा। अतः डोल ग्यारस एवं अनंत चौदस पर आयोजित होने वाले इन कार्यक्रमों के माध्यम से श्री गणेश मूर्ति विसर्जन किया जायेगा।

शिक्षकों का सम्मान:

80प्रतिशत से ज्यादा रिजल्ट देने वाले 21 शिक्षकों का सम्मान 5 को

मुरैना। पांच सितंबर को शिक्षक दिवस के अवसर पर जिले के 21 उत्कृष्ट शिक्षकों को एक्सीलेंस हायर सेकेंड्री स्कूल नंबर 1 के सभागार में सम्मानित किया जाएगा। इसके लिए सात ब्लॉक में ऐसे शिक्षकों का चयन किया जा रहा है कि जिनके विषय समेत स्कूल का पूरा रिजल्ट 80 फीसदी से ऊपर रहा है। शिक्षक दिवस सम्मान के माध्यम से शिक्षा विभाग के अफसर नवाचार कर रहे हैं। इस बार ऐसे शिक्षकों की तलाश की जा रही है जिनके प्राइमरी, मिडिल व हायर सेकेंड्री स्कूल का रिजल्ट विषयवार से लेकर ओवरऑल बेहतर रहा हो। परीक्षा परिणाम का मानक 80 प्रतिशत प्लस तय किया गया है।इसके लिए ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों ने प्रत्येक विकासखंड से तीन-तीन शिक्षकों के नाम मांगे गए हैं। इनमें एक शिक्षक प्राइमरी स्कूल का होगा तो दूसरा मिडिल स्कूल से और तीसरा हाईस्कूल या हायर सेकेंड्री स्कूल का। उत्कृष्ट शिक्षकों को कलेक्टर अनुराग वर्मा शॉल-श्रीफल भेंटकर प्रशस्ति-पत्र से सम्मानित करेंगे।

केश शिल्पी कार्ड रिन्यू कराने के लिए सेन समाज ने पूर्व विधायक को ज्ञापन सौंपा

मुरैना। सेन समाज ने केश शिल्पी कार्ड रिन्यू कराए जाने को लेकर गुरुवार को पूर्व विधायक रघुराज सिंह कंषाना को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन सौंपने आए सेन समाज के लोगों ने पूर्व विधायक को बताया कि उन्होंने तीन माह पूर्व केश शिल्पी कार्ड रिन्यू कराने को लेकर नगर निगम में आवेदन दिया था। लेकिन नगर निगम आयुक्त अमर सत्य गुप्ता हर साइड बंद होने की बात कहकर उन्हें लौटा देते हैं। इसी प्रकार सेन समाज के लोगों को खाद्यान्न की पर्ची भी नहीं दी जा रही है। सेन समाज ने पूर्व विधायक को चेतावनी दी है कि अगर केश शिल्पी कार्ड रिन्यू नहीं किया गया और खाद्यान्न पर्ची नहीं दिलाई गई तो वे नगर निगम के खिलाफ आंदोलन करेंगे।

एसडीएम ने किया मेडिकल दुकानों का औचक निरीक्षण, 4 दवाओं के नमूने लिए

जौरा। जिले के नवागत कलेक्टर अनुराग वर्मा द्वारा कालाबाजारी के विरुद्ध औचक निरीक्षण कर कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। इन्हीं निर्देश के पालन में एसडीएम नीरज शर्मा के निर्देशन में खाद्य निरीक्षक औषधि निरीक्षक की टीम द्वारा कई स्थानों पर औचक निरीक्षण कर सैंपल लेने की कार्रवई की। गुरुवार को एसडीएम ने टीम के साथ नगर में शर्मा मेडिकल स्टोर, न्यू लखन मेडिकल स्टोर, सुमन मेडिकल स्टोर एवं प्रदीप मेडिकल स्टोर का औचटक निरीक्षण कर कुल 4 दवाओं के नमूने लिए गए। इस दौरान दुकानों के लाइसेंस की वैधता दवाओं की खरीदी बिक्री बिल भी चेक किए गए तथा सेड्यूल

दवाओं की जानकारी एवं प्रावधानों की भी जांच की गई। नऔचक निरीक्षण के दौरान सदर बाजार में लक्ष्मीनारायण मुकेश कुमार एवं अस्पताल रोड पर मां कैला देवी एंड संस की दुकान पर मानक स्तर की जांच के लिए निरीक्षण उपरांत तेल एवं वनस्पति के नमूने लिए गए। इसी तारतम्य में चेहरा में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत शासकीय उचित मूल्य की दुकान के निरीक्षण के दौरान सूची भाव सूची का प्रदर्शन नहीं किया गया था। सार्वजनिक वितरण प्रणाली जलगांव के औचक निरीक्षण के दौरान भी सूची भाव सूची एवं पीड़ा बोर्ड सही अवस्था में नहीं पाया गया। अनुविभागीय अधिकारी नीरज शर्मा द्वारा बताया कि औचक निरीक्षण उपरांत जहां-जहां निरीक्षण किया गया है, वहां कमियां पाए जाने पर नोटिस जारी किए जा रहे हैं।

आंकड़ों पर आधारित रिपोर्ट से काम नहीं चलेगा धरातल पर दिखना चाहिए योजना का असर

मुरैना। बैठक में आंकड़ों पर आधारित रिपोर्ट से काम नहीं चलेगा। धरातल पर योजना का असर दिखना चाहिए। परिवार के निर्णय में महिलाओं की भागीदारी बढ़े ताकि ब'चों के पोषण स्तर में सुधार लाया जा सके। स्थानीय भाषा एवं बोली के उपयोग से महिलाओं व पुरूषों को जागरुक कर पोषण योजनाओं को मजबूत करना चाहिए।यह निर्देश कलेक्टर अनुराग वर्मा अटल बाल मिशन एवं पोषण अभियान की बैठक में महिला बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी उपासना राय को दे रहे थे। इस बैठक में सीएमएचओ डॉ आरसी बांदिल, सीडीपीओ सहित महिला एवं बाल विकास विभाग के अन्य अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने बैठक में बताया कि ब'चों का स्वास्थ्य बेहतर रखने के लिए पोषण ढांचा एवं सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है।जिसके तहत 0 से 5 साल तक के कम वजन के ब'चों के स्वास्थ्य में सुधार लाना प्रमुख उद्देश्य है। इसके अलावा अति गंभीर कुपोषित ब'चों के स्वास्थ्य स्तर को ठीक करना अटल बाल मिशन एवं पोषण अभियान का प्रमुख लक्ष्य है ताकि मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाई जा सके। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पोषण एवं स्वास्थ्य देखभाल, शरीर में खून की कमी का नियंत्रण एवं रोकथाम। गर्भावस्था की शीघ्र पहचान एवं पंजीयन कर प्रसव पूर्व एवं पश्चात महिला की देखभाल सुनिश्चित करना।

भारतीय नमो संघ ने मप्र शासन के सहकारिता मंत्री अरविंद भदोरिया को जिले की कई जन समस्याओं को लेकर सौंपा ज्ञापन

भिंड। भिंड दो दिवसीय प्रवास पर पधारे मध्य प्रदेश सरकार के सहकारिता लोक सेवा प्रबंधन मंत्री श्री अरविंद भदोरिया जी का भारतीय नमो संघ कार्यकर्ताओं में सर्किट हाउस पर स्वागत कर एक शिकायती ज्ञापन पत्र जन समस्या एवं जनहित के मुद्दों को लेकर दिया एवं शासन की योजनाओं एवं जनहित के मुद्दों पर एक परिचर्चा भी रखी गई ,इस अवसर पर उपस्थित भारतीय नमो संघ के प्रदेश अध्यक्ष भाजपा युवा नेता मुकेश दीक्षित ने कहा कि भाजपा की शिवराज सरकार ने भिंड जिले में सैनिक स्कूल को देकर तथा चंबल एक्सप्रेस वे को लाकर पूरे भिंड चंबल संभाग को एक बड़ी सौगात दी है उन्होंने आगे कहा अरविंद भदोरिया जी के अथक प्रयासों से आज चंबल एक्सप्रेस वे का सपना पूरा हो रहा है, मध्यप्रदेश की शिवराज सरकार ने भिंड चंबल को बड़ी सौगात दी है, और चंबल एक्सप्रेस वे का नाम अटल बिहारी वाजपेयी जी का नामाकरण कर सराहनीय पहल की है, भारतीय नमो संघ के प्रदेश अध्यक्ष मुकेश दीक्षित ने मंत्री महोदय से परिचर्चा के दौरान ज्ञापन पत्र के माध्यम से कहा कि अटेर क्षेत्र की कनेरा सिचाई परियोजना के नाम पर कांग्रेस के शाशन में करोडों रुपयों का भ्रष्टाचार हुआ , जिसको लेकर पूर्व में कई सामाजिक और राजनैतिक दलों द्वारा ज्ञापन भी सोपे गए थे, लेकिन आज तक कनेरा सिचाई परियोजना की गुत्थी नही सुलझ पाई है,, कांग्रेस के शाशन काल में जंहा एक तरफ कनेरा सिचाई परियोजना के नाम पर करोड़ों रुपयों का भ्रष्टाचार और वंही भिंड नगरपालिका जो कि भ्रष्टाचार का पिछले कई बर्षो से अड्डा बनी हुई है, गौरी सरोवर के नाम पर भिंड को धार्मिक नगरी घोषित कर ऐतिहासिक पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने के नाम पर भी करोड़ो रुपये मंजूर हुए ,लेकिन भिंड की स्थिति हमेशा दहनीय बनी रही ,और विकास के नाम पर आए हुए पैसों को शाशन के कुछ नुमाइंदों ओर नेताओं ने मिल जुल कर डकार

सीवर लाइन के नाम पर भिंड नगर पालिका कर रही है करोड़ो रुपये का भ्रष्टाचारः मुकेश दीक्षित

चंबल एक्सप्रेस वे ओर सैनिक स्कूल के आने से चंबल संभाग भिंड को मिलेगी नई पहचान, भाजपा की शिवराज सरकार में मध्यप्रदेश के सहकारिता मंत्री अरविंद भदोरिया के नेतृत्व में भिंड चंबल संभाग में विकाश की नई सौगात मिलती दिख रही है

लिए,,जिसकी निष्पक्ष जांच होना अति आवश्यक है,, उन्होंने आगे कहा भिंड जिले के गोरी सरोवर के आसपास एक सैकड़ा से अधिक शिवालय विधमान है और कई मंदिरों पर तथा उन मंदिरों से लगी भूमि पर भी कई लोगों के अवैध कब्जे है ,गोरी सरोवर के किनारे कई लोग अतिक्रमण किये हुए,पूरे भिंड जिले के मंदिरों की जाँच होना चाहिये, ओर मंदिरों की भूमि अतिक्रमण मुक्त हो,,,इसके बाद मुकेश दीक्षित ने आगे कहा कि सैनिक स्कूल भिंड मुख्यालय पर बनाया जाए ,जिससे शहर के बच्चों को भी लाभ मिल सके,,उन्होंने आगे कहा कि मोदी सरकार और मध्यप्रदेश की शिवराज सरकार की जन हितेषी योजनाओं को भिंड जिले के कुछ शाशन प्रशासन के लोग चूना लगाने का काम कर रहे हैं और गरीब परिवारो के लोग सरकार की जन हितेषी योजनाओं के लाभ से बंचित हो रहै है ,उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के नाम पर गरीबों के हित के साथ अन्याय किया गया है,प्रधानमंत्री आवास योजना के नाम पर ऐसे कई लोगों को आवास दे दिए गए जिनके पास पहले से ही मकान थे,,अतः हम माँग करते हैं कि प्रधानमंत्री आवास योजना में हुई धांधली की जांच होनी चाहिए,, मुकेश दीक्षित ने आगे कहा कि भिंड जिले में पावर मेक कंपनी अवैध रूप से रेत उत्खनन करा रही है, भिंड जिले में पिछले कई बर्षो से अवैध रेत उत्खनन का कार्य जोरों पर चल रहा है, जिसके कारण हमारी प्राकृतिक संपदा का हनन हो रहा है और नदियौं का जलस्तर घट रहा है और आये दिन रेत खदानों पर गोली वारी होती रहती जिसके कारण कई लोग मोत का शिकार भी हो चुके हैं,तथा जिले में दहशत का माहौल है, कांग्रेस के शासन में जमकर अवैध रेत उत्खनन हुआ,,ओर आज भी चल रहा है, जिस पर पूर्ण रूप से प्रतिवंध लगाया जाए,इस अवसर पर नमो संघ अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के संयोजक इमरान अली खान,भाजपा नेता गोसेवक कौशलेंद्र कुशवाह,भाजपा युवा नेता अभिषेक पुरोहित ,रामेन्द्र शर्मा,दिलीप हिंनारिया, नमो संघ महामंत्री फरमान भाई,अनिल दुवे,हिरदेश सोनी,सहित कई नमो संघ और भाजपा के कार्यकर्ता मौजूद रहे

दो साल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में उदयपुर राजस्थान में लगेंगे 1000 से अधिक पौधे

बेटा पढ़ाओ - संस्कार सिखाओ अभियान की ओर से 1 साल में लगाये जायेंगे 11000 से अधिक पेड़-पौधे

राजस्थान/उदयपुर(अर्पित गुप्ता)
बेटा पढ़ाओ - संस्कार सिखाओ अभियान के सफलता पूर्वक दो साल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में अभियान की ओर से महावृक्षारोपण का आगाज किया गया। इस दौरान राजस्थान के अनेकों इलाकों में अभियान की ओर से जगह - जगह वृक्षारोपण का कार्य किया गया। महावृक्षारोपण अभियान के आगाज के प्रथम दिन राजस्थान के अलग - अलग क्षेत्रों में 1000 से अधिक पेड़ - पौधे लगाने का कार्य किया गया। यह जानकारी देते हुए अभियान के सह - संयोजक आकाश झुरिया ने बताया कि अभियान के संयोजक कवि हरीश शर्मा के नेतृत्व व दिशानिर्देशन में अभियान के सफलतापूर्वक दो साल पूर्ण होने के पावन उपलक्ष्य में महावृक्षारोपण अभियान का आगाज किया गया। महावृक्षारोपण अभियान के आगाज के प्रथम दिन लक्ष्मणगढ़ पुलिस उपाधीक्षक श्रवण सिंह के सानिध्य में पुलिस उपाधीक्षक कार्यालय व थानाधिकारी राममनोहर के सानिध्य में थाना परिसर में वृक्षारोपण का कार्य किया गया एवं रेलवे स्टेशन मार्ग स्थित गोयनका माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य महेंद्र रुहेला के सानिध्य में स्टाफ व टीम सदस्यों के द्वारा महावृक्षारोपण अभियान के तहत विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण का कार्य किया गया।संजीवनी हॉस्पिटल प्रांगण में अभियान की सदस्या कवयित्री डॉक्टर निरुपमा उपाध्याय व डॉक्टर आरके उपाध्याय के सानिध्य में हॉस्पिटल प्रांगण में वृक्षारोपण किया गया। यह जानकारी देते हुए अभियान के संयोजक कवि हरीश शर्मा ने बताया कि बेटा पढ़ाओ - संस्कार सिखाओ अभियान के सफलतापूर्वक दो साल पूर्ण होने के उपलक्ष्य पर महावृक्षारोपण अभियान का आगाज नगर के प्रतिष्ठित गणमान्यजनों के पावन सानिध्य में किया गया।वही दूसरी ओर उदयपुर राजस्थान में अभियान के

सदस्य व द मिशन हेपिनेंस के संस्थापक हितेश कुमावत के नेतृत्व में टीम सदस्यों के द्वारा 1000 से अधिक वृक्ष लगाने का कार्य शुरू किया गया। जानकारी देते हुए टीम सदस्य हितेश कुमावत ने बताया कि टीम सदस्यों के द्वारा उदयपुर राजस्थान में उदयपुर के अलग - अलग क्षेत्रों में 300 से अधिक वृक्ष लगाने का कार्य अभियान के दो साल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में किया जा चुका है। इसी क्रम में नीम का थाना के सिरोही में अभियान के दो साल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में अरुणाचल प्रदेश में ड्यूटी कर रहे जन हितैषी संस्था सिरोही के संस्थापक अनिल फौजी ने इस अवसर को यादगार बनाने के लिए अपने साथियों के साथ पेड़ लगाने का कार्य किया। वही दूसरी ओर जन हितैषी संस्था के सचिव सतीश फौजी ने भी अपने गाँव में अपने बेटे भावेश ओर दादी के साथ वृक्षारोपण कर अभियान के दो साल सफलतापूर्वक पूर्ण होने की बधाई अभियान के समस्त टीम सदस्यों को प्रेषित की। इस उपलक्ष्य पर अभियान के संयोजक कवि हरीश शर्मा ने देश के समस्त देशवासियों व देश के समस्त युवाओं को सन्देश देते हुए कहा कि देश के हर एक नागरिक को आगे आकर अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी ताकि देश मे फैल रहे पर्यावरण प्रदूषण को रोका जा सकें। इस दौरान पुलिस उपाधीक्षक श्रवण सिंह,रिद्धकरण, विद्याधर,थानाधिकारी राममनोहर,हेड कांस्टेबल बीरमा राम,डॉक्टर आरके उपाध्याय, कवयित्री डॉक्टर निरुपमा उपाध्याय,गोयनका स्कूल के प्राचार्य महेंद्र रुहेला,गुलजारी लाल वर्मा,राजवीर,नायक समाज के अध्यक्ष महावीर बगड़ी,बाटड़ानाऊ सरपंच प्रतिनिधि मेघसिंह,मालसिंह,अभियान के संयोजक कवि हरीश शर्मा,सह - संयोजक आकाश झुरिया,अभियान सदस्य सम्पत बागड़ी,कुशाल जोशी,हरिओम शर्मा,हितेश,अनीशपाल,प्रियदर्शी उपाध्याय सहित लक्ष्मणगढ़ थाना स्टाफ,पुलिस उपाधीक्षक कार्यालय स्टाफ,गोयनका विद्यालय के स्टाफ सदस्य मौजूद रहें। अभियान के सफलतम दो साल पूर्ण होने पर अभियान के संयोजक कवि हरीश शर्मा व टीम सदस्यों के द्वारा सभी को मिठाई खिलाकर खुशी व्यक्त की।लक्ष्मण गढ़ पुलिस उप अधीक्षक श्रवण सिंह,रिद्धकरण व विद्याधर को अभियान पर लिखित पुस्तक अभियान के संयोजक कवि हरीश शर्मा द्वारा भेंट की गई। पुलिस प्रशासन ने अभियान की सराहना करते हुए बेटा पढ़ाओ - संस्कार सिखाओ अभियान के सभी सदस्यों को बधाई दी और कहा कि हम अभियान में सहयोग करने का भी प्रयास करेंगे।

देवली कला में बाबा रामदेव मंदिर में मूर्ति स्थापना और प्राण प्रतिष्ठा आयोजित

नारायणलाल सैणचा
पाली। देवली कला- कस्बे के सीरवियों के बास बढेर के पास स्थित बाबा रामदेव मंदिर पर आयोजित 2 दिवसीय मन्दिर प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव शुक्रवार को संपन्न हुआ। मन्दिर का निर्माण माँगूदास,पारसदास एव समस्त कॉलोनीवासियों की और से करवाया गया था शुक्रवार सुबह वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच बाबा रामदेव के जयकारों के साथ शुभ मुहुर्त में बाबा रामदेव की मूर्ति स्थापना की गई। प्रतिष्ठा महोत्सव के दौरान सवेरे से ही हवन-यज्ञ के साथ धार्मिक आयोजनों का सिलसिला शुरू हो गया था, जो मूर्ति स्थापना, ध्वजा-दंड, कलश स्थापना की गई। इस दौरान बाबा रामदेव के जयकारों से वातावरण धर्ममय हो गया। कार्यक्रम से पूर्व रात्रि में एक शाम बाबा रामदेव के नाम भजन संध्या का आयोजन हुआ। भजन संध्या में सत्यप्रकाश राठौड़ पार्टी ने एक से बढ़कर एक भजन प्रस्तुत कर समां बांध दिया। प्रतिष्ठा में चेन्नई से पधारे समाजसेवी नेमीचन्द सीरवी का विषेश सहयोग रहा साथ में माँगूदास, पारसदास ,नेमीचंद सीरवी, बाबुलाल सीरवी, बुधाराम, हीरालाल, रूपाराम ,दुदाराम एव बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे ।

डॉ.राजेश पुरोहित ने साहित्य क्षेत्र में भवानीमंडी का नाम देश विदेश में चमकाया

भवानीमंडी(अर्पित गुप्ता)
वीरों की धरती वाला प्रान्त राजस्थान के झालावाड़ जिले के भवानीमंडी निवासी डॉ. राजेश कुमार शर्मा पुरोहित का नाम साहित्य जगत में देश विदेश तक चमक रहा है। वे किसी परिचय के मोहताज नहीं है। पुरोहित ने आशीर्वाद,अभिलाषा,काव्यधारा जैसी पुस्तकें लिखी है। साथ ही उनकी सैंकड़ों कविताएं,कई कहानियां नियमित पत्र पत्रिकाओं एवम समाचार पत्रों में नियमित प्रकाशित होती रहती है। सीधे सरल स्वभाव के धनी,मृदुभाषी पुरोहित योग अपने जीवन में अपनाते हैं। आयुर्वेद में विश्वास रखते हैं। वे सरकारी विद्यालय में हिन्दी विषय के शिक्षक है वे विद्यालय में भी अपने नवाचारों के लिए जाने जाते हैं ।

पुरोहित की रचनाएं विदेशी समाचार पत्रों में छपती है। इनकी रचनाएं सामाजिक जागरूकता के उद्देश्य से लिखी जाती है जो अमेरिका,अफ्रीका ,यूरोप,कनाडा,आस्ट्रेलिया, नेपाल से प्रकाशित हुई है। वैश्विक महामारी कोरोना में जारी लॉक डाउन के समय काल मे इन्होंने व्हाट्सएप्प ग्रुप के जरिये रचनाकारों को जोड़े रखा। ये सुबह 6 बजे से रात 11 बजे तक रचनाकारों को साहित्यिक गतिविधियों से जोड़े रखते हैं। रचनाकारों को छंदबद्ध रचना

लिखना सीखाने में लगे हैं। अखिल भारतीय साहित्य परिषद के इस ग्रुप के 70 के लगभग रचनाकारों की रचनाएं साहित्य दर्शन , ई पत्रिका के 7 अंक प्रकाशित कर सैंकड़ो रचनाएँ प्रकाशित कर चुके हैं जिससे रचनाकारों में नये उत्साह का संचार हुआ है। पुरोहित ऑनलाइन अखिल भारतीय कवि सम्मेलन करवाते हैं। श्रेष्ठ काव्यपाठ करने वाले रचनाकारों को ऑनलाइन सम्मान समारोह के जरिये आकर्षक सम्मान पत्र प्रदान कर सम्मानित भी करते हैं। ग्रुप में नियमित आयोजन ,प्रतियोगिता चलती रहती है। अभी इन्होंने फेसबूक पेज के जरिये रचनाकारों की रचनाओं को देश विदेश में पहुचाने का कार्य भी शुरू किया है नवोदित रचनाकारों के लिए इनके प्रयास प्रशंसनीय है। साहित्य दर्शन ई पत्रिका के आगामी अंक नारी ही नारायणी का विमोचन आदित्यवार को किया जावेगा। डॉ. पुरोहित के संपादन में प्रकाशित ई पत्रिका को इन दिनों सोशल मीडिया पर काफी पसन्द किया जा रहा है। पुरोहित देश की कई साहित्यिक व शैक्षिक व सामाजिक संस्थाओं से जुड़े हैं। अखिल भारतीय साहित्य परिषद,साहित्य संगम संस्थान,मेरी कलम मेरी पूजा साहित्यिक संस्थान,राष्ट्रीय साहित्य वाटिका,काव्यांकुर, राष्ट्रीय कवि संगम,शीर्षक साहित्य परिषद,कलम बोलती है, सखी साहित्य परिवार, नवचेतन साहित्यिक सरगम, देश के कलमकार, अनंत आकाश हिन्दी साहित्य,से जुड़े हैं।

प्रो. राजाराम शुक्ल और सुनीति शर्मा जी सृजन ऑस्ट्रेलिया परिवार' में शामिल

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के कुलपति प्रो. राजाराम शुक्ल सृजन ऑस्ट्रेलिया के संरक्षक मंडल के माननीय सदस्य के रूप में और शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की निदेशक-राजभाषा श्रीमती सुनीति शर्मा सलाहकार मंडल के माननीय सदस्य के रूप मेंसृजन ऑस्ट्रेलिया परिवार' में शामिल हुए हैं। विक्टोरिया, ऑस्ट्रेलिया से प्रकाशित होने वाली सृजन ऑस्ट्रेलिया अंतरराष्ट्रीय ई-पत्रिका रचनाकारों वैश्विक मंच उपलब्ध करवा रहा है।

पत्रिका की मुख्य कार्यकारी अधिकारी और मुख्य सम्पादक पूनम चतुर्वेदी ने बताया सृजन ऑस्ट्रेलिया के वैश्विक हिन्दी अभियान में अब तक ऑस्ट्रेलिया, भारत, नेपाल, श्रीलंका, ओमान, पापुआ न्यू गिनी, सिंगापुर, मॉरीशस, अमेरिका, कनाडा, नीदरलैंड, बेल्जियम आदि देशों शताधिक लब्ध प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय स्तर के विद्वान अपना योगदान दे रहे हैं। 'सृजन ऑस्ट्रेलिया' के इस 'वैश्विक हिंदी अभियान में विश्व हिन्दी सचिवालय, मॉरीशस भी सहभागिता

निभा रहा है। उन्होंने बताया कि पत्रिका के प्रबंध संपादक प्रो. सारस्वत मोहन 'मनीषी' और सलाहकार मंडल केअध्यक्ष डॉ श्रीनारायण 'समीर' हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सभी प्रकार के समन्वय में सुप्रसिद्ध कवि, न्यू मीडिया विशेषज्ञ एवं सृजन ऑस्ट्रेलिया के प्रधान संपादक डॉ. शैलेश शुक्ला महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया बहुविषयक, विशेषर्ज्ञों द्वारा समीक्षित यह पत्रिका भाषा साहित्य और अनुसंधान को बढावा देने के लक्ष्य के संकल्प के साथ सम्पूर्ण विश्व से स्वयंसेवकों का गैर लाभकारी एवं पूर्णतः अव्यवसायिक मंच है। उन्होंने बताया कि प्रो रवींद्र कुमार, (पद्मश्री) पूर्व कुलपति, मेरठ विश्वविद्यालय एवं मुख्य संपादक, ग्लोबल पीस अंतरराष्ट्रीय पत्रिका, प्रो. मनोज दीक्षित, पूर्व कुलपति, डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, प्रो विनोद कुमार मिश्र, महासचिव, विश्व हिन्दी सचिवालय, मॉरीशस,प्रो राघवेंद्र प्रसाद तिवारी, कुलपति, पंजाब केन्द्रीय विश्वविद्यालय ,प्रो श्री प्रकाश मणि त्रिपाठी, कुलपति, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, मध्य प्रदेश, प्रो आशा शुक्ला, कुलपति, बाबा साहब भीम राव अंबेडकर विश्वविद्यालय, मऊ, उत्तर प्रदेश, डॉ विमलेश कान्ति वर्मा जी, शिक्षक, भाषाविद, हिन्दी-सेवी एवं वक्ता, दिल्ली भी पत्रिका के सरक्षंण मंडल में शामिल हैं।

सुंदरबनी बाखर मे कच्चा मकान गिरने से हुआ बड़ा हादसा

जिला राजौरी उपजिला सुंदरबनी के तहसील सिहोट के बाखर पंचायत में वीरवार की रात सुबह 4ः00 बजे के करीब बेलीराम नामक व्यक्ति का मकान गिर गया और उसमें बेलीराम तो स्वयं जान बचाकर निकला लेकिन दुर्भाग्यवश उसकी 25 से 30 भेड़ बकरियां उस मकान के नीचे दबने से मर गई। बेलीराम का कहना है कि उसके पास लगभग 60 के करीब भेड बकरियां हैं। बाकी जीवित बकरियों को उसने अपनी कड़ी मशक्कत के साथ बचाकर के दबे हुए मकान से निकाला जबकि वह उस मकान में बकरियों की रखवाली के लिए रहने वाले अकेले व्यक्ति हैं । उनका एक बेटा भी है जोकि मानसिक तौर पर सही नहीं है। प्रशासन को जब इस बारे में जानकारी मिली तो मौके पर एडीसी सुंदरबनी तहसीलदार स्योट व पुलिस थाना प्रभारी राजेंद्र शर्मा बीडीसी चेयरमैन बालकृष्ण शर्मा, बीडीसी चेयरमैन सुंदरबनी अरुण शर्मा मौके पर पहुंचे। यहां पर

उन्होंने दस्तावेजों की कार्रवाई पूरी करते हुए आश्वासन दिया कि उन्हें जल्द ही इसका मुआवजा दिया जाएगा लेकिन विडंबना की बात यह है कि जो प्रशासन की तरफ से तत्काल सहायता दी जाती है उससे उन्हें वंचित ही रखा गया । बेलीराम ने प्रशासन से गुहार लगाते हुए कहा कि जल्द से जल्द उन्हें उनके नुकसान का मुआवजा दिया जाए ताकि वह अपनी जिंदगी को पुनः एक बार जीविका के लिए तैयार कर सकें ।

सोयाबीन फसल में हुए नुकसान की भरपाई

फसल बीमा एवं राहत राशि को मिलाकर की जायेगी: मुख्यमंत्री

भोपाल । मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान शुक्रवार को देवास जिले की खातेगांव तहसील में सोयाबीन फसल में हुए नुकसान का जायजा लेने पहुंचे। इस अवसर पर कृषि उपज मण्डी

परिसर खातेगांव में किसानों एवं ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि सोयाबीन फसल में हुए नुकसान की भरपाई की जायेगी। फसल बीमा एवं राहत राशि मिलाकर किसानों को हुए नुकसान का मुआवजा दिया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि संकट की इस घड़ी में प्रदेश सरकार किसानों के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि दो दिन पहले सांसद श्री रमाकान्त भार्गव ने उन्हें अवगत कराया कि खातेगांव में सोयाबीन की फसल खराब हो रही है, ऐसी स्थिति में मैंने तय किया कि संकट की इस घड़ी में किसानों के बीच में जाउंगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि यह समय संकट का है। कोरोना की महामारी के कारण अर्थव्यवस्था चौपट हो गई है। एक बड़ी राशि कोरोना मरीजों के इलाज में खर्च की जा रही है। ऐसे समय में भी प्रदेश सरकार किसानों को फसल नुकसान का पर्याप्त मुआवजा देगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान बताया फसल बीमा योजना में पंजीयन कराने की अंतिम तिथि 31 अगस्त तक बढा दी है। जिला प्रशासन को निर्देश दिये की अंतिम तिथि से पूर्व ऋणि एवं अऋणी सभी प्रकार के किसानों का बीमा प्राथमिकता से कराये। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि पूर्व में पात्रता पर्ची न होने के कारण गरीबों को राशन नहीं मिल पा रहा था, लेकिन प्रदेश सरकार ने सभी पात्र व्यक्तियों को एक सितम्बर से राशन देने का निर्णय लिया है। 31 सौ करोड रूपये की फसल बीमा की राशि किसानों के खाते में डाली गई है। साथ ही 6 सितम्बर तक 19 लाख किसानों के खातों में 4 हजार 500 करोड रूपये की राशि डाली जायेगी। उन्होंने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर कर्ज लेकर भी सरकार यह कार्य करेगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि वे जनता के मुख्यमंत्री है संकट की इस घड़ी में किसानों को दुखी नहीं देख सकते है। इसलिए पुराने मनमाने बिजली बिल स्थगित कर दिये गये है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे अब प्रदेश में विभिन्न स्थानों पर जाकर किसानों की समस्याओं से अवगत होंगे। उन्होंने कहा कि किसानों की हर समस्या का समाधान किया जायेगा। विधायक श्री आशीष शर्मा ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि खातेगांव में किसानों की सोयाबीन फसल पर कीट का हमला हुआ है, जिससे किसानों पर गहरा संकट आन पड़ा है। प्रदेश में जब भी ऐसी संकट की घड़ी आई है मुख्यमंत्री श्री चौहान ने किसानों की मदद के लिए हर संभव सहायता की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार संकट की इस घड़ी में किसानों को सबंल एवं सहारा देगी।इस अवसर पर सांसद श्री रमाकान्त भार्गव, श्री राजीव खण्डेलवाल, श्री नारायण चौधरी, जन-प्रतिनिधगण, प्रशासनिक अधिकारी, किसान, श्रमिक और ग्रामीणजन मौजूद थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने खेतों में जाकर फसलों का जायजा लिया-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ग्राम पंचायत पाड़यादेह के ग्राम खिरनीखेडा में किसानों के खेतों में जाकर सोयाबीन फसल में हुए नुकसान का जायजा लिया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने किसान श्री विक्रम पिता बाबूलाल जायसवाल और बलराम पिता रमेश के खेत में जाकर सोयाबीन की फसल को देखा। किसानों ने बताया कि सोयाबीन की फसल दो दिन पूर्व हुई लगातार बारिश से खराब हो गई है। किसानों की फसल देखकर मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि किसानों की सरकार है। किसान चिंता न करे, प्रदेश सरकार संकट की इस घड़ी में किसानों के साथ खड़ी है।

घरेलू बिजली उपभोक्ताओं की 31 अगस्त तक की बकाया राशि आस्थगित करने के निर्देश

भोपाल । प्रदेश में कोरोना संक्रमण के दृष्टिगत निम्न आय वर्ग वाले सभी एक किलोवाट तक के घरेलू उपभोक्ताओं के देयकों की 31 अगस्त तक की बकाया राशि को आस्थगित करने के निर्देश दिये गये हैं। इस संबंध में आदेश जारी कर दिये गए हैं। सचिव ऊर्जा श्री आकाश त्रिपाठी ने तीनों विद्युत वितरण कम्पनियों के प्रबंध संचालकों को निर्देशित किया है कि एक किलोवाट तक के संयोजित भार वाले घरेलू उपभोक्ताओं को आगामी सितम्बर एवं अक्टूबर, 2020 में मात्र उनकी वर्तमान मासिक खपत के आधार पर विद्युत देयक जारी किये जायें एवं पूर्व बकाया एवं सरचार्ज राशि का समावेश न किया जाये। इस श्रेणी में माह सितम्बर में जारी होने वाले देयकों में केवल मासिक खपत का देयक जारी होगा अर्थात उसमें कोई भी पिछली बकाया राशि एवं एरियर्स सम्मिलित नहीं होंगे। माह अक्टूबर 2020 के देयकों में मासिक खपत देयक के साथ यदि किसी उपभोक्ता द्वारा माह सितम्बर का देयक नहीं भरा गया है तो उसकी बकाया राशि मय सरचार्ज के शामिल होगी। आस्थगित बकाया राशि (31 अगस्त की स्थिति में) के बारे में पृथक से निर्देश जारी किये जायेंगे। इन निर्देशों का कड़ाई से समय पर पालन सुनिश्चित करने और बिलिंग सॉफ्टवेयर में 31 अगस्त तक अनिवार्यतः आवश्यक परिवर्तन करने के निर्देश दिये गए हैं।

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भारत को तरजीह

आरक्षण सुधार

सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण में सुधार की दिशा में जो कदम बढ़ाया है, वह न केवल सराहनीय, बल्कि स्वागतयोग्य है। अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति वर्ग के अंदर ही उपवर्ग बनाकर विशेष आरक्षण दिया जाना समय के साथ जरूरी होता जा रहा है। ऐसे में, सुप्रीम कोर्ट को अपने ही 16 साल पुराने फैसले पर विचार करना है। चूंकि सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यीय पीठ ने वर्ष 2004 में यह फैसला सुनाया था कि राज्यों को किसी आरक्षित वर्ग के अंदर उपवर्ग बनाकर आरक्षण देने का अधिकार नहीं है, इसलिए अब जब इस फैसले में कोई बदलाव करना है, तो सुप्रीम कोर्ट की बड़ी पीठ को विचार के बाद नया फैसला करना होगा। संभावना है, सुप्रीम कोर्ट इस मुद्दे को सुलझाने के लिए सात न्यायाधीशों की संविधान पीठ का गठन करेगा। इस पर विचार होगा कि क्या सूची के भीतर 'अत्यंत पिछड़ी' जातियों को प्राथमिकता देने के लिए अजा/ अजजा आरक्षण सूची में उप-वर्गीकरण हो सकता है।

दरअसल, पंजाब सरकार ने वर्ग के अंदर उपवर्ग बनाकर आरक्षण देने की कोशिश की थी, लेकिन पंजाब उच्च न्यायालय ने सुप्रीम कोर्ट के 2004 के फैसले का हवाला देते हुए उसके कदम को गलत ठहरा दिया था। ईवी चिनैया मामले में सुप्रीम कोर्ट ने यह माना था कि इस तरह का उप-वर्गीकरण अवैध है। अब अगर स्वयं सुप्रीम कोर्ट को लग रहा है कि वह अपने फैसले की समीक्षा कर सकता है, तो देश को इस पर अंतिम फैसले का इंतजार करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट द्वारा पुनर्विचार आरक्षण सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा और इसकी जरूरत कम से कम दो दशक से महसूस की जा रही थी। अनेक मामलों में तो यह लगने लगा है कि अनुसूचित जाति या जनजाति के अंदर ही अनेक उपवर्ग, अर्थात जातियां-उपजातियां हैं, जो आरक्षण की दौड़ में पिछड़ने लगी हैं। उदाहरण के लिए, पंजाब सरकार वाल्मीकि और मजहबी सिख को आरक्षण में पहली प्राथमिकता देना चाहती थी, पर सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के कारण अपने प्रयास में नाकाम रही। सुप्रीम कोर्ट में न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा ने गुरुवार को संकेत किया कि एक बार जब सरकार को आरक्षण देने की ताकत मिली हुई है, तब वह वंचितों को लाभ पहुंचाने के लिए उप-वर्गीकरण भी कर सकती है। पांच सदस्यीय पीठ ने मान लिया कि ईवी चिनैया मामले में उचित फैसला नहीं हुआ था। पीठ ने यह भी कहा कि राज्य विधानसभाएं अनुसूचित जाति श्रेणियों के भीतर उप-जातियों को विशेष उपचार देने के लिए कानून बना सकती हैं। भारत में विभिन्न अध्ययनों में यह बात सामने आती रही है कि ऐसी अनेक जातियां-उपजातियां हैं, जिन तक आरक्षण का लाभ नहीं पहुंच पा रहा है। कुछ जातियां आरक्षण का लाभ लेने में आगे हैं और अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति में पहुंच गई हैं, जबकि पिछड़े समाज में एक बड़ा तबका है, जो प्राथमिक शिक्षा से भी वंचित है। इन वंचित जातियों को आगे लाने के लिए अनेक राज्य अपने-अपने हिसाब से सक्रिय हैं। सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद ऐसे राज्यों को महावंचितों या महादलितों तक पहुंचने में खासी मदद मिलेगी। ऐसा करते हुए उन जातियों को भी आरक्षण का लाभ जारी रहेगा, जो अपेक्षाकृत लाभ में रही हैं। बेशक, सुप्रीम कोर्ट का ताजा रुख देश के समेकित और संतुलित विकास को बल देगा।

मै ही शृष्टी सारी हूँ

मै नारी हूँ मै नारी हूँ।
जीवन की कठिन परीक्षा में
ना हारूगी ना हारी हूँ
मैं नारी हूँ मै नारी हूँ
जीवन जो पल पल देती है
सासो को हर पल देती है
सब मेरे अंदर समा रहा
मै ही तो शृष्टी सारी हूँ
मै नारी हूँ मै नारी हूँ
जब ज्ञान बाटने लगती हूँ
तो सरस्वती कहलाती हूँ
माया के लोभी इस जग में
मै ही लक्ष्मी बन जाती हूँ
सब दुष्ट कांपने लगते हैं
जब दुर्गा बनकर आती हूँ मैं समय शिला पर अमिट लेख
इस सारे जग पर भारी हूँ
मै नारी हूँ मैं नारी हूँ
इस जग में पूजी जाती हूँ
हर युग की गाथाऐ कहती हूँ
ऋषि मुनि तपस्वी भी सारे
सब मुझको देवी कहते हैं
मै कृष्ण कन्हैया की राधा
उन अधरों की बाँसुरीया हूँ
मै दरद दिवानी मीरा हूँ
साँवरिया की बावरिया हूँ
मै सावित्री में दमयंती
मै हरिश्चन्द्र की तारा हूँ
मै सीता जनक दुधारी
मै नारी हूँ मैं नारी हूँ
जब भूमि पर संकट आऐ
तब शीश काट के देती हूँ
लज्जा पर आऐ ऑच कभी
तो फिर जोहर कर लेती हूँ
जब केश खोलती हूँ अपने
महाभारत की चिंगारी हूँ
मैं नारी हूँ मैं नारी हूँ
तुम भूल गये उपकार सभी
मेरा अस्तित्व मिटाओगे
मैं नहीं बची इस धरती पर
तो फिर तुम कैसे आओगे
मैं चीख चीख कर चिल्लाती
तुम मुझे कोख मे मत मारो
तुम निष्ठुर हो तुम निर्मम हो
तुम बहुत क्रूर हो हत्यारे
मैं युगों युगों की गाथा हूँ
पल पल की मुखरित वाणी हूँ
मैं ही जननी हूँ जीवन की
मैं शृष्टी की कल्याणी हूँ
मैं नारी हूँ मैं नारी हूँ।।

राधा शर्मा
इंदौर मप्र

जीएसटी वही, जिससे सबको फायदा

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) से जुड़ा राज्यों का मुआवजा विवाद फिलहाल हल होता दिख रहा है। बुधवार को जीएसटी कौंसिल की बैठक से जो बड़ी बात निकलकर बाहर आई, वह यही कि केंद्र ने राज्य सरकारों को दो रास्ते सुझाए हैं, जिनसे वे अपनी आर्थिक मुश्किलों का तोड़ निकाल सकते हैं। पहला विकल्प तो यह है कि रिजर्व बैंक जीएसटी की वजह से हुए नुकसान की पूर्ति उन्हें उचित ब्याज पर 97 हजार करोड़ रुपये कर्ज देकर करे, और दूसरा, इस साल की कुल जीएसटी क्षतिपूर्ति, यानी दो लाख पैंतीस हजार करोड़ रुपये को हासिल करने में रिजर्व बैंक राज्यों की मदद करे। राज्यों के बकाए मुआवजे का भुगतान एक बड़ा मसला है। दरअसल, जब जीएसटी लागू किया गया था, तब यह तय किया गया था कि शुरुआती पांच वर्षों में संभावित 14 फीसदी राजस्व-वृद्धि न होने पर राज्यों का जो नुकसान होगा, उसकी भरपाई केंद्र करेगा। इसके लिए 'कॉम्पनसेशन फंड' बनाया गया, जिससे राज्यों को मुआवजा देने का भरोसा दिया गया। मगर पिछले डेढ़ साल में देश की आर्थिक सेहत यूं खास्ता हुई है कि जीएसटी संग्रह राज्यों को दिए जाने वाले मुआवजे को पूरा नहीं कर सका। रही-सही कसर लॉकडाउन और कोरोना संक्रमण-काल ने पूरी कर दी है। यानी, राज्यों को मुआवजे देने के लिए केंद्र सरकार के पास पैसे ही नहीं हैं, जबकि जीएसटी के कारण राज्यों का राजस्व घट रहा है। इसीलिए कर्ज लेने की सलाह बुधवार की बैठक में दी जाती रही। मगर सबसे बड़ा सवाल यही था कि कर्ज चुकाएगा कौन?

मुश्किल सिर्फ यही नहीं है। 1 जुलाई, 2017 को जब इसे लागू किया गया था, तब यह भी कहा गया था कि इससे 'एक देश-एक कर' का सपना साकार होगा। कई टैक्सों को आपस में मिला देने से पेपर-वर्क कम होने और कारोबारियों को राहत मिलने का भरोसा दिया गया था। बेशक कुछ हद तक सरकार को इसमें सफलता मिली है, लेकिन व्यापक तौर पर इसने कर-प्रक्रिया को और उलझा दिया है। मसलन, अगर कोई कार-निर्माता कंपनी पूरे देश में अपना कारोबार चलाती है, तो उसे आज भी हर साल करीब 1,100 फॉर्म भरने पड़ते हैं। अनुमान है कि जीएसटी के तहत देश भर में हर महीने करीब चार अरब प्रविष्टियां दर्ज की जाती हैं। इनपुट क्रेडिट भी एक ऐसा मसला है, जो जीएसटी को जटिल बनाता है। इनपुट क्रेडिट का अर्थ है, आउटपुट यानी उत्पाद को बेचने तक हर चरण पर जमा किया गया अलग-अलग टैक्स, जिसे आउटपुट टैक्स में घटाकर शेष रकम कंपनी बतौर कर जमा करती है। अभी तमाम कंपनियां परिवहन, लेखा-जोखा संबंधी कामों, स्टोरेज आदि मदों के लिए अलग-अलग टैक्स चुकाती हैं और उन पर इनपुट क्रेडिट लेती हैं। इसका लाभ लेने के लिए कई तरह की फर्जी कंपनियां भी बनाई जाती हैं, जबकि अंत में कर का सारा बोझ उपभोक्ता ही वहन करता है। ऐसे में, अंतिम चरण में ही कुल टैक्स लिए जाने की व्यवस्था होनी चाहिए, ताकि फर्जी कंपनियों के माध्यम से चल रहे इनपुट क्रेडिट के खेल पर ठोस लगाम लग सके। इससे जीएसटी की मासिक प्रविष्टि भी घटकर चार करोड़ तक हो जाएगी, यानी सही अर्थों में पेपर-वर्क कम हो सकेगा। पूर्व वित्त मंत्री अरुण जेटली कहा करते थे कि देश की पांच फीसदी कंपनी ही कुल कर-संग्रह में 95 फीसदी का योगदान करती हैं, जबकि शेष 95 फीसदी कंपनियां सिर्फ पांच फीसदी योगदान करती हैं। अनुमान है कि देश में जीएसटी के तहत रजिस्टर होने वाली इकाइयों की संख्या 1.2 करोड़ है, जिनमें से 70 लाख इकाइयां टैक्स देती हैं। इन 70 लाख में से भी करीब पांच प्रतिशत ऐसी कंपनियां हैं, जिनका योगदान कुल कर-संग्रह में 95 फीसदी है। लिहाजा, जीएसटी को 'लास्ट-प्वॉइंट टैक्स' बना देने से कुछ कंपनियां अगर टैक्स नहीं भी देती हैं, तो देश को बहुत ज्यादा नुकसान नहीं होगा। इसके विपरीत, अगर व्यवस्था सरल बन जाएगी, तो संभव है कि टैक्स चुकाने वाली कंपनियों से कहीं अधिक कर जमा हो सकेंगे। जीएसटी को 'लास्ट-प्वॉइंट टैक्स' बना देने से कई दूसरे फायदे भी होंगे। इसका सबसे बड़ा लाभ असंगठित क्षेत्र को मिलेगा, जो जीएसटी के कारण बुरी तरह हलकान है। असंगठित क्षेत्र में करीब छह करोड़ कंपनियां या उद्यम हैं, जिनका कुल कारोबार जीडीपी का करीब 31 फीसदी है। फिर भी, विकास दर की गणना में इनको शामिल नहीं किया जाता है। तमाम ऐसे अध्ययन हुए हैं, जो यह पुष्टि करते हैं कि जीएसटी की वजह से असंगठित क्षेत्र को काफी नुकसान हुआ है। चूंकि इनपुट क्रेडिट का लाभ संगठित क्षेत्र की कंपनियां उठाती हैं, इसलिए उनके उत्पाद अपेक्षाकृत सस्ते हो चले हैं। इससे असंगठित क्षेत्र में खरीदारी करने वाले उपभोक्ता अब संगठित क्षेत्र का रुख करने लगे हैं। असंगठित क्षेत्र के उद्यमों को अव्वल तो जीएसटी से छूट दी गई है, फिर उनसे यह अपेक्षा भी नहीं की जा सकती कि वे इनपुट क्रेडिट का लाभ ले पाएंगे। कोई छोटा दुकानदार किसी अकाउंटेंट द्वारा टैक्स संबंधी गुणा-भाग का सलीका भला कहां सीख पाता है! हालांकि, सच यह भी है कि जीएसटी का कुछ लाभ बेशक संगठित क्षेत्र को मिला है, लेकिन असंगठित क्षेत्र की हानि से अगर उसकी तुलना करें, तो हमारे हाथ खाली नजर आते हैं। पिछले तीन साल से अर्थव्यवस्था में दिख रही सुस्ती की भी यही वजह है कि हमारा असंगठित क्षेत्र लगातार कमजोर पड़ता जा रहा है। देखा जाए, तो अपने यहां जीएसटी की बुनियाद ही कमजोर है। हम फ्रांस में इसकी सफलता का उदाहरण देते हैं, जहां 1954 से यह लागू है। मगर ऐसा करते समय यह भूल जाते हैं कि वहां असंगठित क्षेत्र नहीं है। अमेरिका ने तो अपने यहां अब तक न वैट (वैल्यू एडेड टैक्स) लागू किया है, न जीएसटी। इसलिए, देश के आर्थिक ढांचे के मुताबिक अपने यहां कर-ढांचा बनना चाहिए। इसे वास्तविक अर्थ में सरल भी होना चाहिए, फिर चाहे उसका नाम जीएसटी हो या कुछ और।

बढ़ते खतरे से लड़कर जीतेंगे हम

अपने यहां मई तक संक्रमित मरीजों की संख्या बहुत ज्यादा नहीं थी। कहा जाता है कि लॉकडाउन के खुलने के बाद मामले तेजी से बढ़ने लगे। हालांकि, यहां मृत्यु-दर हमेशा से कम रही है। शुरुआती दिनों में यह बेशक पांच फीसदी के आसपास थी, लेकिन अब यह घटकर दो प्रतिशत से भी नीचे आ गई है। इसकी तुलना अगर टीबी से मरने वाले मरीजों या बाल मृत्यु-दर से करते हैं, तो काफी उम्मीदें बंधती हैं। टीबी से होने वाली कुल वैश्विक मौत की दो-तिहाई अकेले अपने यहां होती है, जबकि बाल मृत्यु-दर में भी हमारी स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। इतना ही नहीं, कोरोना वायरस में मृत्यु-दर सामान्य वायरस जैसी ही है। तब क्यों इसको लेकर पूरे देश में यूं अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया?

कोविड-19 दुनिया को एक नया अनुभव देने वाली महामारी साबित हुई है। इसका पहला मामला पिछले साल के आखिरी हफ्तों में वुहान में दर्ज किया गया था, और अब तक बीते आठ महीनों में देश-दुनिया में इसके कई हॉटस्पॉट बन गए हैं। चीन से निकलकर यह वायरस यूरोप पहुंचा, और अब एशियाई देशों में इसका संक्रमण शीर्ष पर पहुंचता दिख रहा है। भारत इससे खासतौर से प्रभावित है। रोजाना नए मामलों के लिहाज से हम सबसे ऊपर तो हैं ही, संक्रमित मरीजों की संख्या के हिसाब से भी हम शीर्ष देशों में शामिल हैं। हालांकि, ठीक होने वाले मरीजों की संख्या भी तेजी से बढ़ रही है और रिकवरी रेट 70 फीसदी से अधिक हो चुकी है। वैक्सीन के तीसरे चरण का परीक्षण भी बस शुरू होने वाला है। तो क्या कोरोना वायरस के दिन जल्द ही लदने वाले हैं? इसका जवाब तलाशने से पहले यह जानना जरूरी है कि अब तक हमने इसका किस तरह मुकाबला किया है?

अपने यहां मई तक संक्रमित मरीजों की संख्या बहुत ज्यादा नहीं थी। कहा जाता है कि लॉकडाउन के खुलने के बाद मामले तेजी से बढ़ने लगे। हालांकि, यहां मृत्यु-दर हमेशा से कम रही है। शुरुआती दिनों में यह बेशक पांच फीसदी के आसपास थी, लेकिन अब यह घटकर दो प्रतिशत से भी नीचे आ गई है। इसकी तुलना अगर टीबी से मरने वाले मरीजों या बाल मृत्यु-दर से करते हैं, तो काफी उम्मीदें बंधती हैं। टीबी से होने वाली कुल वैश्विक मौत की दो-तिहाई अकेले अपने यहां होती है, जबकि बाल मृत्यु-दर में भी हमारी स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। इतना ही नहीं, कोरोना वायरस में मृत्यु-दर सामान्य वायरस जैसी ही है। तब क्यों इसको लेकर पूरे देश में यूं अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया?

दरअसल, दो वजहों से इस वायरस को लेकर डर फैला। एक, संक्रमित करने की इसकी तेज क्षमता और दूसरी, हमारे यहां स्वास्थ्य-सेवाओं की खस्ता हालत। बेशक, संक्रमित करने की इसकी ताकत दूसरे वायरसों से ज्यादा है, लेकिन आम लोग में डर का सबसे बड़ा कारण रहा, हमारा दरकता स्वास्थ्य ढांचा। आज भी भारत में कुल जीडीपी का 1.17 फीसदी हिस्सा ही स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतरी पर खर्च किया जाता है। नतीजतन, कोरोना संक्रमण का प्रसार होते ही अस्पताल मरीजों के बढ़ते बोझ से चरमराने लगे। यह स्थिति अब तक सुधरती नहीं दिख रही, जबकि हर वायरल संक्रमण का अपना चक्र होता है और संक्रमण के शिकार हरेक मरीज को अस्पताल जाने की जरूरत नहीं पड़ती।

यहां कहने का आशय यह नहीं है कि कोरोना वायरस हमारे लिए कोई चुनौती नहीं है। बेशक हमें इससे मजबूती से लड़ना है, लेकिन डर का बनता माहौल खतरनाक है। जरूरत आम लोगों में विश्वास बढ़ाने की है, लेकिन भरोसा जगना तो दूर, सरकार के राहत उपायों से खौफ ही अधिक बढ़ता दिखा। मसलन, ऐसी खबरें आईं कि गुणवत्तापूर्ण पीपीई किट (निजी सुरक्षा उपकरण) वरिष्ठ डॉक्टरों को दिए गए, जबकि जूनियर डॉक्टरों या अन्य स्वास्थ्यकर्मियों को अपेक्षाकृत कम गुणवत्ता के उपकरण मिले। उनके काम के घंटों को लेकर भी सवाल उठा, क्योंकि इस किट को लंबे समय तक पहनना एक मुश्किल चुनौती है। इसका अर्थ है कि सरकारों ने कोरोना संक्रमण को थामने के उपाय तो किए, लेकिन लोगों तक सही संदेश पहुंचाने में वे बुरी तरह विफल रहीं। इसी कारण बाजार से सैनिटाइजर और एन-95 मास्क जैसी अनिवार्य वस्तुओं की किल्लत हो गई, और कुछ लोगों ने बिना डॉक्टरी सलाह के फिजूल की दवाइयां निगल लीं।

अच्छी बात है कि अब रिकवरी रेट पर ज्यादा जोर दिया जाने लगा है। यानी, अब मीडिया माध्यमों से सिर्फ संक्रमित मरीजों की संख्या या नए संक्रमण की जानकारी नहीं दी जाती, बल्कि इससे ठीक होने वाले लोगों का जिक्र भी किया जाता है। यह एक अच्छी नीति है। इससे लोगों में भरोसा जगने लगा है कि कोरोना कोई ऐसी बीमारी नहीं, जो सिर्फ उनकी जान ले। इसके मरीज ठीक भी हो सकते हैं। छींकने या खांसते वक्त मुंह ढकने और साफ-सफाई पर विशेष ध्यान रखने जैसे निर्देशों को भी लोगों के सामने इसी तरह पेश करना चाहिए, ताकि उनका डर कम हो। वैसे भी, इस तरह के व्यवहार आमतौर पर बचपन में ही हमें सीखा दिए जाते हैं। हां, अब इस पर गंभीरता से अमल करने की जरूरत है।

अनिश्चितता के माहौल को खत्म करना भी जरूरी है। जैसे, एक निजी अध्ययन में मैंने पाया कि कोरोना-हेल्पलाइन नंबर बमुश्किल से काम करते हैं। अव्वल तो यह नंबर उठता नहीं, और अगर कोई उठाता भी है, तो उचित सलाह देने का भरोसा देकर फोन रख देता है। इसी तरह, कुछ राज्य सरकारों ने ऐसी वेबसाइट लॉन्च की, जहां अस्पतालों के खाली बेड की जानकारी ली जा सकती है, लेकिन मुश्किल यह है कि जब तक सूचनाएं वेबसाइट पर दर्ज होती हैं, तस्वीर बदल चुकी होती है, यानी वेबसाइट पर तो अस्पतालों में खाली बेड दिखते हैं, पर असलियत में वे भर चुके होते हैं। इन सबसे भविष्य को लेकर लोगों के मन में कई दुश्चिंताएं पनपीं। बेशक समस्याएं हैं, पर उनके हल की तरफ कदम बढ़ाने की जरूरत है, न कि मुश्किलों को और गहरा बनाने की। अपने यहां जनवरी के अंत में पहला मामला सामने आया था। बीते छह महीने से अधिक का वक्त गुजर गया है, लेकिन हम यह तय नहीं कर सके कि वायरस किस रूप में आगे बढ़ेगा? हॉटस्पॉट पर ही इसके संक्रमण को रोकने की दरकार थी, जिसमें हम सफल नहीं हो सके। इसीलिए चुनौती अब कहीं ज्यादा गहरी हो गई है। बहरहाल, उम्मीद बनी हुई है। कोरोना से जंग हम जीत सकते हैं। इसका चरित्र आम वायरस से बहुत अलग नहीं है, इसलिए इसे लेकर नीतियां भी उसी अनुरूप बननी चाहिए। सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देश उन तबकों के हित में ज्यादा हों, जिन्हें अपना पेट पालने के लिए रोजाना घर से बाहर निकलना पड़ता है। इससे उनमें महामारी से लड़ने का आत्मविश्वास पैदा होगा। संक्रमण का यह दौर बहुत जल्दी थमने वाला नहीं है, लिहाजा कोरोना के साथ जीने का तरीका हमें सीखना ही होगा। और, इसमें डर व अनिश्चितता का माहौल दूर करना जरूरी है, तभी हमें सफलता मिलेगी।

बरसात...

बेवजह ही ये बरसात।
बरसती रही सारी रात।।
मैं उनके आगोश में..,
तड़पती रही सारी रात।
सर्द हवा के झोकें,
बहने लगी है हल्के हल्के।
दस्तक देने लगा है खिड़कियों से,
बारिश की बूदें साथ साथ....।।
छूने लगा है बारिशों की बूदें जिस्म को,
बेकाबू होने लगा है मेरी जज़्बात....।
सांसों की गर्म हवा में तबदील होने लगी है,
सर्द हवा के झोकें भी आहिस्ता आहिस्ता।
अनायास..., अनायास...।
बरसती रही सारी रात...।।
बेवजह ही यें बरसात...।।
स्वरचित एवं मौलिक

मनोजवम
सुदर्शन पार्क
मोती नगर नई दिल्ली

निराले ढंग से याद किए गए सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

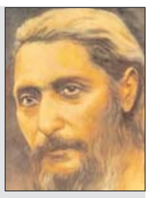

प्रयागराज से निराला साहित्य समूह द्वारा आयोजित निराला काव्य गोष्ठी में कवियों और कवित्रीयों ने प्रस्तुत की **कुछ बेहतरीन रचनाएं-**

संचालन कर रहे देश रत्न सम्मान से सम्मानित सुधांशु पांडे निराला ने बताया कि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला को याद करते हुए यह गोष्ठी आयोजित की गई!

जिसमें सबसे वरिष्ठ कवि आदरणीय सदाशिव चतुर्वेदी मुंबईकवियत्रीप्रियंका श्रीवास्तव भोपाल मध्य प्रदेश, कवि आदरणीय वीरेंद्र दसौधीखरगोन मध्य प्रदेश,कवियत्री आदरणीयकिंजल इलेश कानपुर, कवि आदरणीयमनीष श्रीवास्तव बादलवाराणसी उत्तर प्रदेश, कवियत्री आदरणीयवंदना खरेअनूपपुर मध्य प्रदेश कवि आदरणीसुधांशु पांडेनिरालाप्रयागराजकवि आदरणीय राम शर्मा मनावर जिला मध्य प्रदेशऔर कवियत्री आदरणीय शची श्रीवास्तवतिलक नगर लखनऊ से शामिल हुई!

ग़ज़ल

फ़ोन पर ज़ाहिर फ़साने हो गए
ख़त पढ़े कितने ज़माने हो गए
ऐब इक पाला फ़क़त हमने मियाँ
चार सू अपने ठिकाने हो गए
बेटियाँ कोठों की ज़ीनत बन गई
किस क़दर ऊँचे घराने हो गए
घर में फिर सजने लगेगीं महफ़िलें
दिन अगर तेरे सुहाने हो गए
जानते कमज़ोरियाँ माँ बाप की
आज के बच्चे सयाने हो गए

बलजीत सिंह बेनाम
सम्प्रतिःसंगीत अध्यापक
आकाशवाणी हिसार और रोहतक से काव्य पाठ
सम्पर्क सूत्रः103/19 पुरानी कचहरी कॉलोनी
हाँसीः125033
ज़िला हिसार(हरियाणा)

संवाद से राह

देश की सबसे पुरानी और सबसे ज्यादा समय तक सरकार में रहने वाली राजनीतिक पार्टी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में कुछ बदलाव की मांग फिर तेज हो गई है, तो यह एक सामान्य और स्वाभाविक बात है। पिछले वर्ष 10 अगस्त को पार्टी ने अपना अंतरिम अध्यक्ष चुना था और यह तय माना जा रहा था कि जल्दी ही पार्टी को एक पूर्णकालिक अध्यक्ष मिल जाएगा, लेकिन जब ऐसा नहीं हुआ, तो कई बड़े नेताओं ने पत्र लिखा। जवाब में अंतरिम अध्यक्ष ने कहा है कि वह यह पद अब नहीं संभालना चाहतीं, पार्टी नया अध्यक्ष चुने। ऊपरी सतह पर यह जो राजनीतिक कथा दिख रही है, उसके नीचे बहुत तरह की चिंताएं, महत्वाकांक्षाएं और सपने हैं। इन सभी का जवाब या समाधान कांग्रेस को खोजना होगा। कोई भी पार्टी जब संक्रमण के दौर में होती है, तो उसमें ऐसा दुर्बल वक्त आता है, लेकिन राजनीति में यह मजबूरी है कि ठोस धरातल पर रहते हुए निरंतर सकारात्मक सोचा जाए। कहा गया है, मजबूत राजनेता कभी हार नहीं मानते।

सफलता

कोशिश कर हल निकलेगा
आज नहीं तो कल निकलेगा
अर्जुन के तीर सा सध मरुस्थल से भी जल निकलेगा
मेहनत कर पौधों को पानी दे
बंजर जमीन से भी जल निकलेगा
ताकत जूटा हिम्मत को आग दे
फौलाद का भी बल निकलेगा

जिंदा रख दिल में उम्मीदों को
गरल के समुंदर से भी गंगाजल निकलेगा
कोशिश जारी रख कुछ कर गुजरने की
जो आज थमा थमा सा है वो कल जरूर निकलेगा !

लेखक- सुखदेव ग्वाला. पात्तों की बासनी जोधपुर

ग़ज़ल

इश्क़ के बिना दिल तोड़ना बड़ा मुश्किल होता है
टूटा हुआ दिल को जोड़ना बड़ा मुश्किल होता है।
अपनों को भूल कर सब दिल अजनबी से लगते हैं
उस पे दिल लगा कर मोड़ना बड़ा मुश्किल होता है
शुरुआती मोहब्बत, इश्क़ में सुकून बहुत मिलते हैं
किसी पे दिल को छोड़ना बड़ा मुश्किल होता है।
वो नन्हा सा दिल किसी के दिल में जुड़ जाता है
जुड़ा हुए दिल को फोड़ना बड़ा मुश्किल होता है।
बातें करता है दिल जिस से उस पे समा जाता है
बिना बातें के दिल जोड़ना बड़ा मुश्किल होता है।

कुमार अँचल
कोसी अंचल का पुत्र
अररिया, बिहार

मध्यम वर्ग

बेबस है, लाचार है
बोझ से दबा हुआ
ये मध्यम वर्ग परिवार है।
चिंता से रहता ग्रसित हमेशा
कहीं बच्चों की फीस का रोना
तो कभी घर की किश्त का होना
खीचम-खांच में जीवन ढोना।
महीने की बंधी तनख्वाह
मुश्किल से है घर संभलता
उस पर कोई त्यौहार आ जाता
तो कमर बिल्कुल तोड़ जाता।
अमीरों के तो वारे न्यारे
गरीब है सरकार सहारे
पिसता बस मध्यम वर्ग
लाज शर्म के पढ़ता पहाड़े।
व्यथित कितना है नही जताता
रस्मों -रिवाज सब निभाता
कर्जो से अपने उबर न पाता।
हाय ! कितना मजबूर है ये मध्यम वर्ग
इसकी पीड़ा कोई समझ न पाता।

रश्मि वत्स
मेरठ (उत्तर प्रदेश)

दैनिक पुष्पांजली टुडे

पहले प्यार के पास वापस लौटीं सारा अली खान

एक्ट्रेस सारा अली खान ने महज छोटी सी उम्र में इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बनाई। उन्होंने अबतक के करियर में जितनी भी फिल्में की हैं उन सभी में सारा की एक्टिंग को खूब पसंद किया गया। सारा अली एक्टिंग के अलावा सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। वह आए दिन अपनी लेटेस्ट तस्वीरें और वीडियो अपने फैंस के साथ शेयर करती हैं। यही नहीं सारा अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी अपडेट भी फैंस को देती हैं। इसी बीच लंबे समय के बाद सारा अली खान सेट पर लौटी हैं। इसी के साथ ही सारा ने अपने पहले प्यार के बारे में भी खुलाया किया है। सारा अली खान ने बुधवार को अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर शेयर करने के साथ ही अपने फैंस को बताया कि उनका पहला प्यार कौन है। बता दें कि ये तस्वीर किसी लड़के की नहीं बल्कि कैमरे की है। कैमरे की तस्वीर शेयर करते हुए सारा अली ने लिखा, फाइनली मैं अपनी जिंदगी के पहले प्यार के पास वापस आ गई हूं। उन्होंने इसके साथ ही दिल और कैमरी की इमोजी बनाई। कैमरे की तस्वीर के अलावा सारा अली खान ने इस बात का खुलासा नहीं किया कि वह किस फिल्म की शूटिंग कर रही हैं। सारा के वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्होंने फिल्म केदारनाथ के साथ बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म में उनके अपोजिट दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत लीड रोल में थे। फिल्म में दोनों की एक्टिंग को खूब पसंद किया था। इसके बाद सारा सिम्बा और लव आजकल में दिखाई दीं। वहीं सारा अली खान की अपकमिंग फिल्मों की बात करें तो वह जल्द ही अतरंगी रे और कुली नंबर वन में नजर आएंगी। अतरंगी रे में सारा के साथ सुपरस्टार अक्षय कुमार और साउथ सुपरस्टार धनुष लीड रोल प्ले करते दिखेंगे। वहीं कुली नंबर वन की बात करें तो डायरेक्टर डेविड धवन की इस फिल्म में सारा के अपोजिट उनके बेटे वरुण धवन स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। यह फिल्म एक मई को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली थी, लेकिन लॉकडाउन की वजह से रिलीज को टाल दिया गया।

आईएएस अफसर के किरदार में दिखेंगी रियल लाइफ की सीए टीना फिलिप

कुछ लोगों को अपने सपनों को पूरा करने के लिए थोड़ा घूमना पड़ता है, मगर लक्ष्य की ओर बढ़ते रहने से उन्हें एक दिन मंज़िल मिल ही जाती है। कुछ इसी तरह की चुनौतीपूर्ण लेकिन प्रेरणादायक ज़िंदगी टीना फिलिप ने अपने वास्तविक जीवन में जी है, जो दंगल चैनल के आने वाले शो ऐ मेरे हमसफर में लीड रोल में नजर आएंगी।

रियल लाइफ में चार्टर्ड अकाउंटेंट की पढ़ाई करने वाली टीना शो में आईएएस अधिकारी बनने का ख़्वाब पूरा करती नजर आएंगी। ऐ मेरे हमसफर विधि शर्मा नाम का किरदार निभा रहीं टीना अपनी भूमिका के बारे में बताती हैं- ऐसा महसूस होता है कि मैं अपने चार्टर्ड अकाउंटेंसी कदिनों को पर्दे पर जी रही हूं। ऑनस्क्रीन विधि और ऑफस्क्रीन टीना के बीच एक अनोखी समानता है। शो में, मैं एक आईएएस अधिकारी बनने के लिए मेहनत कर रही हूं, यह जानने के बावजूद कि मैं समाज द्वारा स्वीकार नहीं की जाऊंगी और एक आदर्श दूल्हा ढूंढना मेरी शारीरिक विकलांगता के कारण दूर का सपना है। तमाम दिक्कतों और सीमाओं के बावजूद विधि का अपने सपनों के लिए संघर्ष टीना से रिलेट करता है। टीना ने चार्टर्ड अकाउंटेंट से अभिनेत्री बनने के सफर को साझा करते हुए बताया- 2015 में, मैं अपने घर की सुख-सुविधाओं और अच्छी तनख्वाह वाली नौकरी कर रही थी। माता-पिता के साथ यूके में रहती थी। मैंने मैनचेस्टर विश्वविद्यालय से गणित ऑनर्स की डिग्री के साथ स्नातक किया था। सीए की सभी15 परीक्षाएं पास कीं। देश की शीर्ष 5 कंपनियों में से एक में काम कर रही थी। सब कुछ ठीक था, लेकिन बचपन से एक्टर बनने का सपना था। मैनचेस्टर में थिएटर किया और इसका आनंद लिया। टीना बताती हैं कि बहुत सोच-विचार के बाद भारी मन से मेरी मां ने मुझे अनुमति दी, फिर मुझे अपनी नौकरी छोड़ने की हिम्मत मिली और अभिनय में अपना करियर बनाने के लिए भारत आ गई। पहले सोचा कि दक्षिण भारतीय सिनेमा से शुरूआत करके बॉलीवुड के लिए अपना रास्ता बनाऊं, जैसा कि लोग करते हैं। मैंने ऑडिशन दिये, लेकिन खारिज कर दी गयी। कोचीन में कोई सफलता ना मिलने के बाद, मुंबई आ गयी। यहां का संघर्ष देख मुझे सीए की परीक्षा इसकी तुलना में आसान लगने लगी थी। आखिरकार एक दिन पहली बार मैंने खुद को टेलीविजन पर देखा। मेरी खुशी की कोई सीमा नहीं थीं और यह एहसास बेहतरीन था। ऐ मेरे हमसफर की कहानी एक महत्वाकांक्षी लड़की विधि शर्मा और एक मासूम लड़के वेद कोठारी (नमिश तनेजा) की अप्रत्याशित शादी पर केंद्रित है, जिसके जीवन की कोई महत्वाकांक्षा नहीं है। ऐ मेरे हमसफर 31 अगस्त को शाम 7 बजे से दंगल टीवी पर प्रसारित किया जाएगा।

अमीन खातीब को बनाया एक्शन डायरेक्टर

ऑल्ट बालाजी और जी5 की आगामी एक्शन-थ्रिलर फ्रैंचाइजी बैंग बैंग - द साउंड ऑफ क्राइम्स के धमाकेदार लोगो अनावरण के बाद से ही शो के प्रति उत्सुकता अपने चरम पर है। एक मेगा-स्केल यूथ एक्शन-थ्रिलर वेब सीरीज फ्रैंचाइजी बनाने की योजना के साथ, निमार्ता बैंग बैंग के साथ दमदार विसुअल और स्क्रीन पर एक यादगार अनुभव देने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं। एक्शन और स्पेशल इफेक्ट्स के मामले में शो की गतिशीलता को ध्यान में रखते हुए, निमार्ताओं ने मेगा एक्शन-डायरेक्टर, अमीन खतीब को इस मेगा वेंचर के एक्शन सीक्वेंस को निर्देशित करने के लिए एक्शन-डायरेक्टर की कुर्सी सौंप ने फैसला लिया है। अमीन इससे पहले जॉन अब्राहम-स्टारर सत्यमेव जयते और सिद्धार्थ मल्होत्रा-रितेश देशमुख अभिनीत मरजवां के अलावा डी-डे, बाटला हाउस, ए फ्लाइंग जट्ट सहित कुछ सफल परियोजनाओं में एक एक्शन निर्देशक के रूप में काम कर चुके हैं। बैंग बैंग बड़े पैमाने पर बनने बनने वाली एक धमाकेदार फ्रैंचाइजी होगी, जिसमें कुछ शानदार और माइंड-ब्लोइंग एक्शन और चेजिंग सीक्वेंस शामिल होंगे। यह निश्चित रूप से निमार्ताओं के लिए एक महंगा प्रस्ताव है क्योंकि शो में कुछ उम्दा विसुअल इफेक्ट भी शामिल हैं। और यही वजह है कि, निमार्ताओं को लगा कि अमीन शो के लिए उपयुक्त विकल्प हैं! शो के साथ अपने एसोसिएशन पर अपनी उत्तेजना व्यक्त करते हुए, अमीन खातीब कहते हैं, मैं बैंग बैंग जैसे नए रोमांचक शो का हिस्सा बनकर वास्तव में खुश हूं। साथ ही, एकता कपूर जैसी सफल निमार्ता के साथ काम करने का यह एक शानदार अवसर है। इस शो के लिए उनका जो विजन है, वह वाकई में सराहनीय है। शीर्षक को मद्देनजर रखते हुए, इस शो में पहले कभी नहीं देखे गए एक्शन सीक्वेंस, विजुअल इफेक्ट्स और एग्जॉटिक लोकेशन्स शामिल है। मुझे यकीन है कि दर्शकों के लिए यह एक रोलर-कोस्टर सवारी की तरह होगा। शो में रहस्य, सस्पेंस, धमाकेदार एक्शन और कई झूठे रहस्यों के बीच ढेर सारा यूथ ड्रामा देखने मिलेगा जिसकी परतें एक के बाद एक खुलेंगी। अक्षय बीपी सिंह द्वारा निर्मित और अभिषेक कपूर द्वारा निर्देशित, बैंग बैंग की शूटिंग जल्द ही शुरू होगी।

महीनों बाद अपनी गर्ल गैंग से मिली करीना कपूर

कोरोना वायरस पिछले 5 महीने से भारत में आतंक मचा रहा है। आए दिन इस वायरस की चपेट में लाखों लोग आ रहे है। हालांकि पिछले 2 महीने से देश भर में लॉनडाउन खत्म हो गया है ऐसे में लोग अपनी पूरी सावधानी से घरों से बाहर निकल रहे है। ऐसे में बॉलीवुड स्टार्स कैसे पिछले रह सकते है। बीते दिनों कई सेलेब्स फिल्मों की शूटिंग करते नजर आए तो कुछ अपने घरों से बाहर अपने दोस्तों संग हैंगआउट करते दिखे। इसी बीच बॉलीवुड की गर्ल गैंग भी महीनों बाद एक साथ नजर आई। जी हां हम बात कर रहे हैं करीना कपूर की गर्ल गैंग की, जिसे बेबो पिछले दिनों काफी मिस कर रही थी। करीना कपूर लंबे समय के बाद अपनी गर्ल गैंग से अमृता अरोड़ा के घर मिलीं। अमृता अरोड़ा के घर मलाइका अरोड़ा, नताशा पूनावाला और मल्लिका भट भी पहुंची थीं। इस गैंग में करिश्मा कपूर नजर नहीं आई जिसे सभी ने बहुत मिस किया। इस खास मौके पर इस गैंग ने जमकर फोटोशूट करवाया। करीना ने अपनी गर्ल गैंग के साथ सोशल मीडिया पर तस्वीर शेयर की है। करीना कपूर ने तस्वीर शेयर करते हुए लिखा- जब सबसे बुरा आता है, तो सबसे पहले स्क्वाड आता है। करिश्मा कपूर को मिस किया। तस्वीर में गर्ल गैंग स्टाइलिश आउटफिट में कूल पोज देती नजर आ रही हैं। इन फोटोज में करीना का बेबी बंप भी नजर आ रहा है। प्रेगनेंसी का गलो बेबो के चेहरे पर साफ देखने को मिल रहा है। करीना और सैफ अपने दूसरे बच्चे के लिए काफी एक्साइटेड हैं। करीना कपूर खान ने पहली प्रेग्नेंसी में काम को जिस तरह बैलेंस किया था उसने मिसाल कायम की थी। करीना के प्रेग्नेंसी लुक भी हिट रहे थे। वर्कफ्रंट की बात करें तो करीना कपूर खान फिल्म लाल सिंह चड्ढा में काम कर रही हैं. आमिर खान की ये फिल्म है, जिसमें करीना का अहम रोल हैं। रिपोर्ट्स हैं कि करीना फिल्म की शूटिंग को सितंबर-अक्टूबर में ज्वॉइन करेंगी। वहीं सैफ अली खान की पिछली रिलीज तानाजी और जवानी जानेमन थी। करीना-सैफ ने अपने दूसरे बच्चे की जानकारी देते हुए एक बयान जारी किया था, जिसमें लिखा था- - हमें यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि हम जल्द ही अपने परिवार में एक नए सदस्य का स्वागत करने वाले हैं। आपके प्यार और सपोर्ट के लिए धन्यवाद।

लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड संग पुनीत पाठक ने की सगाई

कोरोना वायरस लॉकडाउन के बीच कई सेलेब्स ने सगाई और शादी की है। इस लिस्ट में बॉलीवुड से लेकर साउथ फिल्म इंडस्ट्री के कई स्टार्स शामिल हैं। सभी ने अपने घर पर ही खास लोगों के बीच पूरी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए खास मौकों को सेलिब्रेट किया। इसी लिस्ट में अब एक और स्टार शामिल हो गया हैं। ये कोई और नहीं बल्कि खतरों के खिलाड़ी फेम डांसर और एक्टर पुनीत पाठक हैं। पुनीत पठाक ने गर्लफ्रेंड निधि मूनी सिंह के साथ सगाई कर ली है। दोनों की सगाई की कई तस्वीरें सामने आई हैं। इन तस्वीरों में दोनों की जोड़ी बेहद ही खूबसूरत नजर आ रही है। डांसर पुनीत पाठक ने अपनी लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड निधि मूनी सिंह के साथ सगाई कर ली है। इस दौरान की तस्वीरें पुनीत ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर ?की हैं। तस्वीरें सामने आते ही उनके फैंस और स्टार्स के बधाई मैसेज भी आने शुरू हो गए हैं। सभी ने दोनों को विश करते हुए उन्हें ढेर सारा प्यार दिया है। तस्वीरों में पुनीत और निधी के फेस पर इस खास पल की खुशी को साफ देखा जा सकता है। इस दौरान निधि ने जहां हल्के पीले और लाल रंग का एथनिक आउटफिट पहना हुआ था। वहीं, पुनीत फ्लोरल प्रिंट इंडियन वियर में दिखाई दिए। बात दें कि पुनीत पिछले लंबे समय से निधि को डेट कर रहे थे। अब फाइनली दोनों ने सगाई कर अपने रिश्ते को एक नाम दे दिया है। पुनीत पाठक ने सगाई की तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, हमेशा की शुरूआत करने के लिए! उनकी तस्वीर पर कोरियोग्राफर टेरेंस और गीता कपूर ने भी उन्हें शुभकामानएं दी हैं। टेरेंस ने लिखा,आप दोनों के लिए बहुत खुश हूं। मुबारक पुनीत, खुश रहो। वहीं गीता कपूर ने लिखा, मुबारक हो मेरे प्रिय।

रिया चक्रवर्ती की मीडिया ट्रायल पर बोलीं स्वरा भास्कर

इतना तो कसाब के साथ भी नहीं हुआ

रिया चक्रवर्ती को लेकर इस वक्त लगातार चर्चा हो रही है। सुशांत सिंह राजपूत केस में एक्टर के पिता केके सिंह ने रिया के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराया है। इसके बाद से लगातार कुछ ना कुछ नया एंगल सामने आ रहा है। सीबीआई इस मामले की जांच कर रही है। हाल ही में रिया के ड्रग्स माफिया से संबंध का एंगल भी सामने आया है। इसके अलावा सोशल मीडिया से लेकर टीवी चैनल्स तक रिया को लेकर कई तरह चचाएं और बातें हो रही हैं। इस मामले में बॉलीवुड एक्ट्रेस स्वरा भास्कार की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने अपनी नाराजगी जातते हुए इसकी तुलना कसाब के साथ की है। स्वरा भास्कर ने अपने ऑफि शियल ट्विटर अकाउंट पर लिखा- मुझे नहीं लगता है कि कसाब भी मीडिया पर इस तरह का विच हंट का विषय रहा होगा। जिस तरह रिया चक्रवर्ती मीडिया ट्रायल को झेल रही हैं। शर्म आनी चाहिए भारतीय मीडिया... इस विषैल जहरीले हिस्टीरिया को ग्रहण करने वाली टॉकसिक जनाता पर हमें शर्मा आती है। आपको बता दें कि इस मुद्दे पर स्वरा पहले भी रिया चक्रवर्ती के सपोर्ट में लिख चुकी है। सुप्रीम कोर्ट की सुनावाई से पहले उन्होंने लिखा था- रिया एक अजीबो-गरीब और खतरनाक मीडिया ट्रायल का शिकार हैं, जिसकी अगुवाई एक भीड़तंत्र से हो रही है। उम्मीद करती हूं कि सम्माननीय सुप्रीम कोर्ट इस पर ध्यान देगी और फजी न्यूज फैलाने वालों और साजिशों की कहानियां बनाने वालों पर रोक लगेगी। कानून को तय करने दीजिए। आपको बता दें कि इस वक्त सीबीआई इस मामले की जांच कर रही है। वहीं प्रर्वतन निदेशायल हवाले के एंगल से इस केस की जांच कर रहा है। वहीं, अब ड्रग्स का एंगल सामने आने के बाद नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने केस दर्ज कर लिया है। वह इस पर अपनी अलग जांच करेगा।

चीन-पाक को धूल चटाने के लिए भारत लांच कर रहा है प्रोजेक्ट चीता

आसमान से ही कर देगा दुश्मन को तबाह

नई दिल्ली (ए)। चीन और पाकिस्तान से बढ़ते सीमा विवादों के बाद भारतीय सशस्त्र सुरक्षा बलों ने एक महत्वपूर्ण फैसला लेते हुए महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट चीता को पुनर्जीवित करने का फैसला किया है। इस परियोजना की अनुमानित लागत 3,500 करोड़ रुपए से अधिक है। इसका प्रमुख उद्देश्य आसमान से दुश्मन पर निगाह रखना और जरूरत पड़ने पर आक्रामक कार्रवाई कर देश की सीमा में होने वाले जान-माल के नुकसान को कम करना है।

क्या है प्रोजेक्ट चीता? – प्रोजेक्ट चीता दरअसल नए सुसज्जित ड्रोन भारतीय वायुसेना को दूर के स्थानों से दुश्मन के स्थानों पर नजर रखने में मदद करेंगे और उपग्रह संचार प्रणाली के माध्यम से उन्हें नियंत्रित करने में भी मदद करेंगे। इस महत्वपूर्ण परियोजना में दुश्मन के खिलाफ आक्रामक कार्रवाई करने के लिए हवाई ड्रोन्स को अपग्रेड करना है। इस प्रोजेक्ट में लेजर-गाइडेड बम, एयर टू ग्राउंड और एयर-लॉन्च एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइलों से

थलसेना, वायुसेना और जलसेना, तीनों ही सशस्त्र सेवाओं के 90 हेरॉन ड्रोन को लैस किया जाएगा। परियोजना को पुनर्जीवित करने का प्रस्ताव नवगठित उच्च स्तरीय रक्षा मंत्रालय समिति को भेजा गया है और इसकी अध्यक्षता अजय कुमार करेंगे। अजय कुमार वर्तमान में भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना के सभी खरीद के प्रमुख हैं। इस परियोजना में इसराइल में निर्मित बेहद उन्नत तकनीक वाले खतरनाक ड्रोन (मानवरहित हवाई वाहन) हेरॉन (बगुला) का इस्तेमाल किया जाएगा। हेरॉन मानव रहित हवाई वाहन एक मध्यम ऊंचाई वाला यूएवी है और यह 250 किलोग्राम तक वजन उठा सकता है, जिसमें थर्मोग्राफिक कैमरा, एयरबोर्न ग्राउंड निगरानी दृश्य प्रकाश शामिल है। यह आसमान में कई किलोमीटर ऊपर से न केवल दुश्मन पर नजर रखने में बल्कि सटीक मिसाइल हमला कर उसे तबाह करने में माहिर माना जाता है। इसका उपयोग इसराइल, अमेरिका जैसे देश लंबे समय से करते आए हैं।

सुशांत सिंह राजपूत की 'दिल बेचारा' ने बनाया एक और रिकॉर्ड, स्मार्टफोन पर सबसे ज्यादा बार देखी गई

मुंबई। पिछले महीने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई सुशांत सिंह राजपूत की आखिरी फिल्म 'दिल बेचारा' ने नया रिकॉर्ड बनाया है। रिलीज होने के बाद सुशांत की फिल्म स्मार्टफोर्न पर पहले हफ्ते में सबसे ज्यादा बार देखी जाने वाली फिल्म बनी है। रिलीज के पहले हफ्ते में देखे जाने वाली फिल्मों की लिस्ट में 'दिल बेचारा' शीर्ष पर है। वहीं, विद्युत जामवाल की एक्शन थ्रिलर 'खुदा हाफिज' दूसरे स्थान पर है। यह रिपोर्ट एमेजन प्राइम, नेटफ्लिक्स, हॉटस्टार, जी5, वूट, और एमएक्स प्लेयर सहित बड़े स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर 1 जुलाई से लेकर 20 अगस्त के बीच डायरेक्ट रिलीज हुई हिंदी फिल्मों पर आधारित है। वहीं, वेब सीरीज के मामले में 'मस्तराम' शीर्ष पर बनी हुई। इसके बाद 'बंदिश बैंडिट्स', 'डैंजरस' और 'आर्या' आती है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि कई एप्स पर बैन लगने की वजह से स्मार्टफोन का ओवरऑल इस्तेमाल थोड़ा कम हुआ है।

त्रष्ट द्र | ड्डद्ब गाइडलाइंस पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, बिना परीक्षा पास नहीं किया जा सकता

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एक बड़े फैसले में कहा कि राज्य और विश्वविद्यालय 30 सितम्बर तक अंतिम वर्ष की परीक्षाएं आयोजित किए बिना छात्रों को उत्तीर्ण नहीं कर सकते। अंतिम वर्ष की परीक्षा कराने के यूजीसी के फैसले को बरकरार रखते हुए, न्यायमूर्ति अशोक भूषण की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि अगर किसी राज्य को लगता है कि वह उस तारीख तक परीक्षाएं आयोजित नहीं करा सकता तो उसे परीक्षा की नयी तारीखों के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) का रुख करना चाहिए। शिवसेना की युवा शाखा, युवा सेना शीर्ष अदालत में एक याचिकाकर्ता है और उसने कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के बीच परीक्षाएं कराने के यूजीसी के निर्देशों पर सवाल उठाया है। यूजीसी ने पूर्व में कहा था कि छह जुलाई के दिशा-निर्देश विशेषज्ञों की अनुशंसाओं पर आधारित हैं और उन्हें उचित चर्चा के बाद तैयार किया गया है और यह दावा करना गलत होगा कि दिशा-निर्देशों के लिहाज से अंतिम परीक्षाएं कराना संभव नहीं है। अंतिम वर्ष की परीक्षाएं रद्द करने के दिल्ली और महाराष्ट्र जैसे कुछ राज्यों के फैसले पर निशाना साधते हुए, यूजीसी ने कहा कि ऐसे फैसले उच्च शिक्षा के मानकों को सीधे तौर पर प्रभावित करते हैं और उच्च शिक्षा के मानकों को निर्धारित एवं समन्वित करने के विधायी क्षेत्र पर अतिक्रमण हैं जोकि संविधान की सातवीं अनुसूची के तहत केवल संसद का विशेषाधिकार है।

खराब सेहत की वजह से जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने दिया इस्तीफा

टोक्यो. जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने इस्तीफा दे दिया है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे अपनी सेहत कारणों को लेकर इस्तीफा दिया है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, शिंजो आबे बीमार चल रहे हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान शिंजो आबे ने कहा कि मैंने प्रधानमंत्री के पद से हटने का फैसला किया है। बताया जा रहा है कि आबे पुरानी बीमारी अल्सरेटिव कोलाइटिस से जूझ रहे हैं। इसके अलावा, प्रधानमंत्री शिंजो आबे के स्वास्थ्य को लेकर अटकलें हफ्तों से लग रही हैं, मगर हाल के दिनों में लगातार तेज बुखार आने की वजह से वह जांच के लिए दो बार अस्पताल गए। आब ने कहा कि मैं अपनी इस बीमारी के लिए एक नया ट्रीटमेंट करा रहा हूं, जिसमें नियमित रूप से जांच और देखरेख की जरूरत है।

कोरोनावायरस के 55.27 फीसदी एक्टिव मामले देश के 4 राज्यों में

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस के कुल सक्रिय मामलों में से आधे से अधिक यानी करीब 55 प्रतिशत महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु में हैं। देश में कोरोना के अभी कुल 7,42,023 सक्रिय मामले हैं जिनमें से 4,10,140 मामले इन तीन राज्यों में हैं। यह कुल सक्रिय मामलों का 55.27 प्रतिशत है। महाराष्ट्र में 1,78,561, आंध्र प्रदेश में 94209, कर्नाटक में 85006 और तमिलनाडु में 52364 सक्रिय मामले हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से शुक्रवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान देश में कोरोना के रिकॉर्ड 77,266 नए मामले आने से संक्रमितों की संख्या बढ़कर 33,87,500 हो गई है। वहीं इस दौरान 1057 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 61,529 पर पहुंच गयी है। देश में स्वस्थ होने वाले लोगों की कुल संख्या 25,83,948 हो गई है, जबकि कोरोना के सक्रिय मामले तेजी से बढ़ते हुए 7,42,023 पर पहुंच गए हैं।

अपनी सेहत की वजह से जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे देंगे इस्तीफा: रिपोर्ट्स

नई दिल्ली। जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे जल्दी ही इस्तीफा देने वाले हैं। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे अपनी सेहत कारणों को लेकर इस्तीफा देने वाले हैं, जिसकी घोषणा वह शुक्रवार को होने वाली प्रेस कॉन्फ्रेंस में कर सकते हैं। नेशनल ब्रोडकास्टर एनएचके ने एक सूत्र के हवाले से कहा, शिंजो आबे ने इस्तीफा देने का इरादा किया है क्योंकि उनकी सेहत खराब हो गई है और उन्हें चिंता है कि इससे देश में परेशानी होगी। प्रधानमंत्री शिंजो आबे के स्वास्थ्य को लेकर अटकलें हफ्तों से लग रही हैं, लेकिन हाल के दिनों में लगातार तेज बुखार आने की वजह से वह चिकित्सा जांच के लिए दो बार अस्पताल गए। एक अन्य मीडिया ने बताया कि शिंजो आबे शुक्रवार शाम 5 बजे एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करने वाले हैं और वह इसमें इसका ऐलान कर सकते हैं और इसका कारण बता सकते हैं।

सुशांत केस में पहली बार रिया चक्रवर्ती से सीवीआई पूछताछ

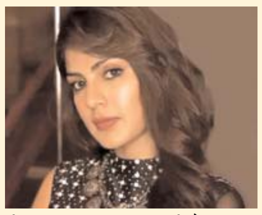

नई दिल्ली। सुशांत सिंह राजपूत की मौत से जुड़े मामले में शुक्रवार को सीबीआई पहली रिया चक्रवती से पूछताछ करेगी। रिया को नोटिस जारी कर डीआरडीओ गेस्ट हाउस बुलाया गया है। सुशांत की मौत के बाद से ही उनकी गर्लफ्रेंड रिया पर सवाल उठ रहे हैं। प्रवर्तन निदेशालय भी इस मामले में रिया से पूछताछ कर चुका है। रिया पर पैसों की हेराफेरी के साथ ही कई अन्य गंभीर आरोप लगे हैं।सीबीआई इस मामले में सुशांत के दोस्त सिद्धार्थ पिठानी, कुक नीरज समेत कई लोगों से पूछताछ कर रही है। पैसों की हेराफेरी के आरोपों पर सफाई देते हुए रिया चक्रवर्ती ने एक समाचार चैनल से बातचीत में कहा था कि वह सुशांत के पैसों पर आश्रित नहीं थी। इस बातचीत में रिया ने उस पर लग रहे सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया था। सुशांत की पूर्व गर्लफ्रेंड अंकिता लोखंडे ने इंस्टाग्राम पर रिया चक्रवती को जवाब दिया था। उन्होंने कहा था कि मैं और सुशांत लगभग 23 फरवरी 2016 तक एक साथ थे। उस दौरान वो कभी अवसाद की स्थिति में कभी नहीं था। साथ ही वो किसी भी मनोचिकित्सक के संपर्क में नहीं था।

गर्लफ्रेंड या ब्यॉफ्रेंड का नाम और वजह बताने पर मिलेगा ब्रेकअप का मनचाहा मैसेज

लंदन। कई बार किसी रिश्ते को खत्म करने या ब्रेकअप करने के लिए लोगों को सही शब्द नहीं मिलते। लॉकडाउन की वजह से कई जोड़ों के बीच तनाव पैदा हुआ है और तलाक के मामलों में 40 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। लेकिन, कुछ ब्रिटेनवासी जो किसी रिश्ते से बाहर निकलना चाहते थे, उन्होंने सामाजिक दूरी के नियमों का फायदा उठाते हुए टेक्स्ट मैसेज के जरिए ब्रेकअप कर लिया है।

टेक्स्ट टू डिच सुविधा की शुरुआत–जो लोग बिना आमने-सामने आए अपने प्रेमी-प्रेमिका या पति-पत्नी से ब्रेकअप करना चाहते हैं उनके लिए स्काई मोबाइल ने एक टेक्स्ट टू डिच सुविधा की शुरुआत की है। यह सुविधा प्रेम संबंधों में नाखुशी का सामना करने वाले लोगों के आग्रह पर निजी संदेश बनाते हैं और उनके साथियों को भेजते हैं। यह ब्रेकअप संदेश फर्स्ट डेट्स स्टार फ्रेड सिरिएक्स द्वारा लिखे जाते हैं।

देनी होती है ये जानकारियां–फ्रेड के द्वारा लिखे गए ब्रेकअप मैसेज की सेवा लेने के लिए लोगों को एक व्हाट्सएप नंबर पर संदेश भेजना होता है। इस संदेश में उनका नाम, जिससे उन्हें ब्रेकअप करना है उसका नाम, ब्रेकअप करने की वजह और अपने साथी के बारे में कुछ अच्छी बातें लिखनी होती हैं। टेक्स्ट टू डिच के बारे में बात करते हुए फ्रेड ने कहा, किसी रिश्ते का अंत होना दुखद है, लेकिन यह सभी की बेहतरी के लिए होता है। हर कुछ किसी कारणवश ही होता है और लोगों को बेहतर भविष्य की तरफ बढ़ते रहना चाहिए। अधिक लोग ब्रेकअप कर रहे हैं और संक्षिप्त रिश्तों के लिए यह अजीब परिस्थिति से बचने का एक आसान तरीका हो सकता है। मैं तुम्हारे लिए सही अंत लिखने के काम कर रहा हूं। स्काई मोबाइल द्वारा किए गए एक सर्वे में कह गया है कि लॉकडाउन के दौरान हुए ब्रेकअप में 44 फीसदी लोगों को ब्रेकअप संदेश भेजा गया है। सर्वे में ब्रेकअप में मुख्य कारणों में एक-दूसरे से विचारों का न मिलना, अलग चीजों में रुचि होना या साथी का बहुत ज्यादा आलसी होना शामिल था। इस सर्वे में पाया गया कि 15 फीसदी लोग आमने-सामने ब्रेकअप करने से डरते थे।

अलेक्सी नवलनी को साजिश के तहत जहर दिए जाने का कोई सुराग नहीं: रूस

मास्को। रूस के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को कहा कि अभी तक उन्हें इसका कोई सुराग नहीं मिला है कि विपक्षी नेता अलेक्सी नवलनी को आपराधिक साजिश के तहत जहर दिया गया। नवलनी के समर्थकों और जर्मन डॉक्टरों का मानना है कि उन्हें जहर दिया गया जिसके कारण नवलनी कोमा में चले गए। रूस के महा अभियोजक कार्यालय की ओर से कहा गया कि पिछले सप्ताह शुरू की गई प्रारंभिक जांच में इसका कोई संकेत नहीं मिला है कि नवलनी के विरुद्ध जानबूझकर आपराधिक कृत्य किया गया। यह वक्तव्य ऐसे समय आया है जब पश्चिमी देश क्रेमलिन के मुखर आलोचक के अकस्मात बीमार होने की जांच की मांग कर रहे हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव:

दूसरे टर्म के लिए डोनाल्ड ट्रंप ने रिपब्लिकन का नामांकन स्वीकार किया

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नवम्बर में होने वाले चुनाव के लिए रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद का नामांकन आधिकारिक तौर पर स्वीकार कर लिया। अमेरिका में तीन नवम्बर को चुनाव है। 74 वर्षीय डोनाल्ड ट्रंप ने रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन (आरएनसी) के आखिरी दिन गुरुवार को व्हाइट हाउस के साउथ लॉन में नामांकन स्वीकार किया। ट्रंप अपनी पत्नी मेलानिया ट्रंप के साथ मंच तक आए थे। उनकी बेटी इवांका ट्रंप ने उनका परिचय दिया।

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, मैं आज रात आपके समर्थन के साथ यहां खड़ा हूं, पिछले चार शानदार वर्षों में हमने

जो असाधारण प्रगति की है.... उस पर गर्व है और अगले चार वर्षों में भी हम अमेरिका के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करेंगे। इवांका ने कोविड-19 के दौरान अपने पिता के कदमों तथा आर्थिक नीतियों की सराहना करते हुए कहा, चार साल पहले, मैंने आपसे कहा था कि मैं संघर्ष के वक्त अपने पिता के साथ खड़ी रहूंगी और चार साल बाद मैं यहां हूं। उन्होंने कहा, पापा, लोग आप पर अपरम्परागत होने के कारण निशाना साधते हैं। लेकिन आपके सच्चे होने की वजह से मुझे आपसे प्यार है और प्रभावशाली होने के लिए मैं आपका सम्मान करती हूं। इवांका ने कहा, वाशिंगटन ने डोनाल्ड ट्रंप को नहीं बदला। डोनाल्ड ट्रंप ने वाशिंगटन को बदल दिया।

बांग्लादेश में चीनी कंपनी के बने कोरोना वैक्सीन के मानवीय परीक्षण की इजाजत

ढाका। बांग्लादेश ने चीन की एक कंपनी द्वारा निर्मित कोविड-19 के संभावित टीके के मनुष्य पर अंतिम स्तर के परीक्षण को बृहस्पतिवार को मंजूरी दे दी। चीन की सिनोवाक बायोटेक लिमिटेड द्वारा विकसित टीके को देश के स्वास्थ्य मंत्री जाहिद मलिक ने दुनिया के सबसे प्रभावशाली टीकों में शुमार बताया। उन्होंने मीडिया ब्रीफिंग में कहा, हमने सभी जरूरी अनुसंधान प्रोटोकॉल का अध्ययन करने के बाद सिनोवाक द्वारा विकसित कोविड-19 के टीके के मनुष्य पर परीक्षण के लिए मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि कंपनी को इंडोनेशिया में पहले ही मंजूरी मिल गई है, वहीं वह कई अन्य देशों में तीसरे स्तर का या अंतिम स्तर का मानवीय परीक्षण करने के लिए प्रयासरत है। मंत्री ने कहा कि सरकार ने टीके के अंतिम चरण के परीक्षण की मंजूरी देने का फैसला किया है। इससे पहले संबंधित सरकारी संस्थानों ने टीके के प्रभाव और सुरक्षा समेत अनेक जरूर पहलुओं का अध्ययन किया।

पाकिस्तान के कराची में बारिश ने तोड़ा 90 साल का रिकॉर्ड, 23 लोगों की मौत

कराची। पाकिस्तान के सबसे बड़े शहर और वित्तीय राजधानी कराची में भारी बारिश से बड़ी तबाही हुई है और मंगलवार से अब तक कम से कम 23 लोगों की मौत हो गई है। बारिश के कारण सड़कों पर जलभराव हो गया है और व्यावसायिक गतिविधियों पर बुरा असर पड़ा है। मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार (27 अगस्त) को कहा कि अगस्त के महीने में इतनी बारिश हुई कि 90 साल का कीर्तिमान टूट गया।

देश में कोरोनावायरस के रिकॉर्ड 77,266 नए मामले, 60,177 मरीज ठीक

नई दिल्ली। भारत में एक दिन में कोविड-19 के सर्वाधिक 77,266 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमण के मामले बढ़कर 33,87,500 हो गए। वहीं शुक्रवार तक 25,83,948 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सुबह आठ बजे जारी किए गए अपडेटेड आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटे में 1,057 और लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 61,529 हो गई।

मंत्रालय ने बताया कि देश में मरीजों के ठीक होने की दर 76.28 प्रतिशत है और मृत्यु दर गिरकर 1.82 प्रतिशत हो गई है। आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों में 60,177 मरीज ठीक हो चुके हैं। देश में अब 7,42,023 मरीजों का इलाज चल रहा है, जो कुल मामलों का 21.90 प्रतिशत है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के अनुसार देश में 27 अगस्त तक 3,94,77,848 नमूनों की जांच की गई, जिनमें से 9,01,338 नमूनों की जांच गुरुवार को की गई। आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटे में जिन 1,057 लोगों की जान गई, उनमें से सबसे अधिक 355 लोग महाराष्ट्र के थे। इसके अलावा कनार्टक के 141, तमिलनाडु के 109, आंध्र प्रदेश के 92, उत्तर प्रदेश के 68 , पश्चिम बंगाल के 53, पंजाब के 37, मध्य प्रदेश के 24, दिल्ली के 22 , गुजरात के 17, जम्मू-कश्मीर तथा छत्तीसगढ़ के 14-14, राजस्थान के 13, हरियाणा के 12 और तेलंगाना तथा झारखंड के 11-11 लोग थे। इनके अलावा केरल तथा पुडुचेरी

में 10-10, उत्तराखंड में 9, बिहार में 8, ओडिशा में 7, गोवा में 6, असम तथा त्रिपुरा में 4-4, चंडीगढ़ तथा लद्दाख में 2-2 और अंडमान-निकोबार द्वीपसमूह तथा हिमाचल प्रदेश में 1-1 व्यक्ति की जान गई। मंत्रालय ने बताया कि अब तक देश में कोविड-19 से हुई कुल 61,529 मौतों में सबसे अधिक महराष्ट्र में 23,444 लोगों की जान गई है। इसके अलावा तमिलनाडु में 6,948, कर्नाटक में 5,232 , दिल्ली में 4,369, आंध्र प्रदेश में 3,633, उत्तर प्रदेश में 3,217, पश्चिम बंगाल में 3,017, गुजरात में 2,962 और मध्य प्रदेश में 1,306 लोगों की मौत कोरोना वायरस के संक्रमण की वजह से हुई है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक पंजाब में 1,256, राजस्थान में 1,005, तेलंगाना में 799, जम्मू-कश्मीर में 671, हरियाणा में 646, बिहार में 538, ओडिशा में 448, झारखंड में 373, असम में 278, केरल में 267, छतीसगढ़ में 245 , उत्तराखंड में 228, पुडुचेरी में 190, गोवा में 171 और त्रिपुरा में 89 लोगों की जान कोरोना वायरस के संक्रमण की वजह से गई। चंडीगढ़ में 43, अंडमान-निकोबार द्वीपसमूह में 42, हिमाचल प्रदेश में 33, लद्दाख में 27, मणिपुर में 25, नगालैंड में नौ, मेघालय में आठ, अरुणाचल प्रदेश में पांच, सिक्किम में तीन, दादरा एवं नगर हवेली एवं दमन-दीव में दो मरीजों की मौत कोविड-19 की वजह से हुई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि संक्रमण से मरने वाले 70 प्रतिशत से अधिक लोगों में पहले से भी कोई बीमारी थी।

न्यूज. ब्रीफ

न्यूयार्क में जापान की नाओमी ओसाका वेस्टर्न व साउथर्न ओपन टेनिस में जीत के बाद उत्साहित नजर आयीं।

अर्जुन अवॉर्ड के लिए चुने डबल्स प्लेयर सात्विक साईराज कोरोना पॉजिटिव

नई दिल्ली। इस साल के अर्जुन अवॉर्ड के लिए चुने गए बैडमिंटन खिलाड़ी सात्विक साईराज कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। वे फिलहाल अपने घर पर आइसोलेशन में हैं। उन्हें शनिवार को नेशनल स्पोर्ट्स-डे के मौके पर वर्चुअल प्रोग्राम में अर्जुन अवॉर्ड दिया जाएगा। हालांकि, वे इस समारोह में हिस्सा नहीं लेंगे। 20 साल के इस डबल्स खिलाड़ी ने बताया कि यह खबर सही है। यह मेरे लिए निराशाजनक है कि मैं सेरेमनी में शामिल नहीं हो पाऊंगा। अच्छी बात है कि मुझे कोरोना के कोई लक्षण नहीं है। मैं सेल्फ आइसोलेशन में हूं और जरूरी दवाईयां ले रहा हूं। मेरे लिए एक कमरे में रहना काफी मुश्किल है। मैं अभी भी यह समझ नहीं पा रहा हूं कि न तो मेरे माता-पिता में से किसी को कोरोना था, न ही मेरे दोस्त को। ऐसे में मेरी रिपोर्ट कैसे पॉजिटिव आ गई। उन्होंने बताया कि मुझे बुखार, बदन दर्द नहीं हो रहा है। तीन दिन बाद मैं दोबारा टेस्ट कराऊंगा। सात्विक और उनके जोड़ीदार चिराग शेट्टी ने 2018 के कॉमनवेल्थ गेम्स के डबल्स इवेंट में सिल्वर मेडल जीता था। पिछले साल ही इस जोड़ी ने थाईलैंड ओपन सुपर 500 सीरीज जीता था।

|टूनामेंट से पहले बचपन के कोच से मिला गुरु मंत्र- शून्य से शुरूआत करो|

2.4 करोड़ में बिके यशस्वी डेब्यू करेंगे

- यशस्वी जायसवाल इस साल हुए अंडर-19 वर्ल्ड कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे थे, उन्होंने 6 मैच में 400 रन बनाए थे
- यशस्वी के इसी प्रदर्शन को देखते हुए आईपीएल नीलामी में राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें बेस प्राइस से 12 गुना ज्यादा कीमत में खरीदा था
- यशस्वी के कोच ज्वाला सिंह ने कहा- मैंने उससे कहा है कि यह नई यात्रा है और उसे खुद को साबित करना होगा

दुबई ■ एजेंसी

राजस्थान रॉयल्स टीम ने यूएई में क्वारैंटाइन पीरियड पूरा करने के बाद ट्रेनिंग शुरू कर दी है। इस सीजन में टीम ने 2.4 करोड़ रुपए खर्च कर अंडर-19 वर्ल्ड कप में खेलने वाले युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को अपने साथ जोड़ा है। वे आईपीएल में डेब्यू करेंगे। इससे पहले उन्हें अपने बचपन के कोच ज्वाला सिंह से गुरु मंत्र मिला है। कोच ने उन्हें शून्य से शुरूआत करने की सलाह दी है। यशस्वी के कोच ने न्यूज एजेंसी को बताया कि हमारी लंबी बातचीत हुई थी। वह युवा है और पहली बार आईपीएल खेलेगा। मैंने हमेशा उसकी काबिलियत पर यकीन किया है। उसने मुझे बताया कि क्वारैंटाइन में खुद को मानसिक रूप से शांत और फिट रखने के लिए वह योग का सहारा ले रहा है।

यशस्वी को खुद को साबित करना होगा: कोच

उन्होंने आगे कहा कि मैंने उससे कहा कि यह नई यात्रा है और सबके सामने उसे खुद को साबित करने की जरूरत है। उसके लिए क्रिकेट का लंबा इंतजार खत्म हो रहा है। मैंने यशस्वी से कहा कि आपने पिछले 6-7 महीने से क्रिकेट नहीं खेली है। आप क्रिकेट जानते हैं, लेकिन आपको आईपीएल से पहले अपना आत्मविश्वास वापस हासिल करना होगा। आप दुनिया के सबसे बेस्ट खिलाड़ियों से मिलेंगे और आपको उनसे सीखना होगा। कभी पानीपुरी बेचकर अपना गुजारा करने वाले यशस्वी इस साल दक्षिण अफ्रीका में हुए अंडर-19 वर्ल्ड कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे थे। लेकिन फाइनल में भारत को बांग्लादेश ने हरा दिया था। टूर्नामेंट में यशस्वी ने 6 मैच में 400 रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने एक शतक और 4 अर्धशतक लगाए थे। अंडर-19 वर्ल्ड कप और घरेलू क्रिकेट में उनके प्रदर्शन को देखते हुए आईपीएल नीलामी में राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें 20 लाख की बेस प्राइस से 12 गुना ज्यादा कीमत देकर 2.4 करोड़ रुपए में खरीदा था। यशस्वी ने अब तक 1 फर्स्ट क्लास और 13 लिस्ट-ए मैच खेले हैं। इसमें उन्होंने कुल 799 रन बनाए हैं।

आईपीएल खिताब के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को तैयार आरसीबी : हेसन

मुम्बई। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के क्रिकेट संचालन निदेशक माइक हेसन ने कहा है कि उनकी टीम ने इस बार अपनी पिछली कमियां सुधार ली हैं और ऐसे में टीम इस बार खिताब जरुर जीतेगी। हेसन के अनुसार टीम का फिटनेस स्तर उम्मीद के अनुसार ही है और सभी माहौल के अनुसार ढल गये हैं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक रूप से निखारने के लिए हमारे पास बेहद कुशल सहयोगी स्टाफ है जिससे सभी खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देने की तैयारी कर रहे हैं। हेसन और मुख्य कोच साइमन कैटिच खेल के सभी विभागों पर ध्यान दिया गया है जिसमें ह्यडेथ ओवरॉह्व में गेंदबाजी भी शामिल है। हेसन और कैटिच ने एक कार्यक्रम में अपनी टीम की योजनाओं के बारे में बात की। इसमें यह बात कही गयी कि कप्तान विराट कोहली की यह टीम हमेशा स्टार खिलाड़ियों से भरी रही है पर अपनी क्षमता के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पायी। पहली बार टीम 2016 में फाइनल में पहुंची थी जहां उसे हार का सामना करना पड़ा था। उसके बाद से ही यह सिलसिला अब तक जारी है।

हॉकी इंडिया पर राष्ट्रीय खेल संहिता का उल्लंघन करने के आरोप

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया पर राष्ट्रीय खेल संहिता का उल्लंघन करने के आरोप लगे हैं। इस मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक याचिका को लेकर केंद्र सरकार और हॉकी इंडिया से जवाब मांगा है। इस याचिका में कहा गया है कि हॉकी इंडिया ने आजीवन सदस्य, आजीवन अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पदों को सृजित करके खेल संहिता का उल्लंघन किया है जबकि नियमों के तहत इन पदों का सृजन नहीं किया जा सकता है। उच्च न्यायालय की पीठ ने एक पूर्व हॉकी खिलाड़ी की याचिका पर खेल मंत्रालय, हॉकी इंडिया और उन दो व्यक्तियों को नोटिस जारी किये हैं जिन्हें हॉकी इंडिया में आजीवन सदस्य और सीईओ नियुक्त किया गया है। अदालत ने इन सभी से 28 सितंबर तक अपना पक्ष रखने के लिये कहा है। इस याचिका में हॉकी इंडिया के मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन (एमओए) में उन अनुच्छेदों को हटाने की मांग की है जिनके तहत आजीवन सदस्य, आजीवन अध्यक्ष और सीईओ पद सृजित किये गये जिनके पास असीमित कार्यकाल और पूर्ण मतदान अधिकार हैं। इस याचिका में नरिंदर ध्रुव बत्रा की आजीवन सदस्यता और इलेना नोर्मन की सीईओ के रूप में नियुक्ति रद्द करने की मांग भी की गयी है। याचिका में कहा गया है कि खेल संहिता और राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) के लिये आदर्श चुनाव दिशानिर्देशों के तहत किसी खास अवधि के लिये सात पदाधिकारियों और पांच अतिरिक्त सदस्यों को ही चुना जा सकता है और हॉकी इंडिया ने जो तीन पद सृजित किये हैं वे इसके अनुरूप नहीं हैं।

15 महीने बाद दोनों टीमों के बीच टी-20 मुकाबला

पाक के पास इंग्लैंड में 4 साल बाद सीरीज जीतने का मौका

लंदन ■ एजेंसी

पाकिस्तान को टेस्ट सीरीज में हराने के बाद अब इंग्लैंड की नजर टी-20 पर है। दोनों देशों के बीच शुक्रवार से तीन टी-20 की सीरीज शुरू होगी। सीरीज के सभी मैच 28, 30 अगस्त और 1 सितंबर को मैनचेस्टर में ही होंगे। 15 महीने बाद दोनों टीमों के बीच टी-20 मैच होगा।

पिछले साल मई में कार्डिफ में हुए इकलौते टी-20 में इंग्लैंड ने पाकिस्तान को 7 विकेट से हराया था। पाकिस्तान के पास 4 साल बाद इंग्लैंड को उसी के घर में टी-20 सीरीज में हराने का मौका है। 4 साल पहले मेहमान टीम ने मैनचेस्टर में हुए इकलौते टी-20 मैच में इंग्लैंड को 31 रन से हराया था। पाकिस्तान 7, तो इंग्लैंड टीम 6 महीने बाद टी-20 सीरीज खेल रही है। दोनों देशों ने ही अपनी पिछली टी-20 सीरीज जीती है। पाकिस्तान ने जहां इस साल की शुरूआत में बांग्लादेश को 3 टी-20 की सीरीज में 2-1 से हराया था, तो वहीं इंग्लैंड ने भी इस साल फरवरी में दक्षिण अफ्रीका को उसके घर में मात दी थी। ऐसे में दोनों टीमों का सीरीज जीत का दावा मजबूत है। टी-20 सीरीज में पाकिस्तानी बल्लेबाज बाबर आजम पर सबकी नजर रहेगी। वे टी-20 में टीम के कप्तान के साथ ही दुनिया के नंबर-1 बल्लेबाज हैं। उन्होंने अब तक 38 टी-20 में 50 की औसत से 1471 रन बनाए हैं।

बिलबाओ में यूईएफए महिला चैम्पियंस लीग फुटबॉल में खेलती हुई लियोन की डिफेंडर वेंडी रीनार्ड।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुंबई ■ एजेंसी

दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों से मुम्बई शेयर बाजार गुरुवार को हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ। सुबह बाजार की अच्छी शुरूआत हुई पर समय बढ़ने के साथ ही यह बरकरार नहीं रह पायी। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 39.55 अंक करीब 0.10 फीसदी बढ़त के साथ ही 39,113.47 अंक पर बंद हुआ।

वहीं एनएसई निफ्टी भी 9.65 अंक तकरीबन 0.08 फीसदी की सामान्य बढ़त के साथ 11,559.25 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में सबसे ज्यादा लाभ इंडसइंड बैंक के शेयरों को हुआ। इसमें 6 फीसदी से अधिक की तेजी आयी। इसके साथ ही महिंद्रा एंड महिंद्रा, एसबीआई, एचडीएफसी, एक्सिस बैंक, सन फार्मा और मारुति के शेयरों में भी तेजी रही। वहीं दूसरी ओर जिन शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी, उनमें ओएनजीसी, बजाज ऑटो और अल्ट्रा टेक सीमेंट प्रमुख हैं। कारोबारियों में आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास के कर्जदाताओं को कोविड-19 संकट के बीच राहत दिये जाने के बयान से उत्साह बना पर अगस्त महीने के वायदा एवं विकल्प खंड में अनुबंध की समाप्ति को लेकर उन्होंने सतर्कता बरती।

इससे पहले सुबह वैश्विक बाजार से मिले अच्छे संकेतों और विदेशी कोषों की लगातार आवक के चलते बीएसई के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स में 200 अंकों से ज्यादा उछाल दर्ज की गई। शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 39,310.37 के उच्च स्तर को छूने के बाद 200.06 अंक की बढ़त के साथ 39,273.98 पर कारोबार कर रहा था। दूसरी ओर एनएसई निफ्टी 52.75 अंक बढ़कर 11,602.35 पर था। सेंसेक्स में सबसे अधिक तीन फीसदी की बढ़त इंडसइंड बैंक में हुई। बढ़त के लिहाज से इसके बाद एचडीएफसी, एचडीएफसी बैंक, एसबीआई, एमएंडएम, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, आईटीसी और एशियन पेंट्स रहे। दूसरी ओर बजाज ऑटो, बजाज फाइनेंस, एचयूएल और एनटीपीसी के शेयरों में गिरावट हुई।

आरबीआई ने अपनी आय का 44 फीसदी सरकार को किया ट्रांसफर

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पूर्व वित्त सचिव एससी गर्ग ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अपनी अधिशेष या आय का केवल 44 प्रतिशत राशि ही केंद्र को ट्रांसफर किया है। प्रतिशत के हिसाब से यह पिछले सात साल में सबसे कम है। आरबीआई बोर्ड ने लेखा वर्ष 2019-20 (जुलाई-जून) के लिए केंद्र सरकार को 57,128 करोड़ रुपए हस्तांतरित करने को मंजूरी इसी माह दी है। जब आरबीआई और वित्त मंत्रालय के बीच अधिशेष राशि के हस्तांतरण और आर्थिक पूंजी रूपरेखा (ईसीएफ) को लेकर विवाद हुआ था, गर्ग उस समय वित्त सचिव थे। गर्ग ने ट्विटर पर लिखा है ?कि आरबीआई को 2019-20 में 1497 अरब रुपए की बचत हुई। उसने अपने पास 736 अरब रुपए रखा जबकि सरकार को 571 अरब रुपए (केवल 44 प्रतिशत) ट्रांसफर किए। यह पिछले सात साल में सबसे कम हस्तांतरण है और आरबीआई ने

सर्वाधिक राशि अपने पास रखी। उन्होंने एक अन्य ट्वीट में कहा कि कुल आय 1497 अरब रुपए, बचत 1307 अरब रुपए, बचत का बंटवारा, अपने पास रखे 736 अरब रुपए सरकार को दिए। वर्ष 2018-19 में आरबीआई की आय 1,93,036 करोड़ रुपए थी, जबकि इससे पूर्व वित्त वर्ष 78,281 करोड़ रुपए थी। आरबीआई के केंद्रीय बोर्ड ने अगस्त 2019 में सरकार को 1,76,051 करोड़ रुपए हस्तांतरित करने को मंजूरी दी थी। इसमें 2018-19 का 1,23,414 करोड़ रुपए अधिशेष तथा 52,637 करोड़ रुपए संशोधित आर्थिक पूंजी नियम के तहत अतिरिक्त पाई गई राशि सरकार को दी गई।

पतंजलि को सुप्रीम कोर्ट से राहत, कोरोनिल पर चेन्नई की कंपनी की याचिका खारिज

नई दिल्ली ■ एजेंसी

देश की सर्वोच्च अदालत ने योग गुरु बाबा रामदेव की कंपनी पतंजलि को कोरोनिल दवा के मामले में राहत प्रदान की है। सुप्रीम कोर्ट ने चेन्नई की एक कंपनी की याचिका को स्वीकार करने से मना कर दिया जिसमें मद्रास हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाने की मांग की गई थी। हाईकोर्ट ने पतंजलि को अपने उत्पाद पर कोरोनिल ट्रेडमार्क शब्द का इस्तेमाल करने की इजाजत दी थी। मामला कोरोनिल नाम के इस्तेमाल को लेकर है, जिस पर चेन्नई की कंपनी ने दावा ठोका था।

कंपनी सुप्रीम कोर्ट तक पहुंची थी, लेकिन कोर्ट ने इस याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। अब सुप्रीम कोर्ट ने चेन्नई की कंपनी अरुद्रा इंजीनियरिंग लिमिटेड की अर्जी को खारिज कर दिया। उसने दावा किया था कि कोरोनिल 1993 से उसका ट्रेडमार्क है। कंपनी ने पतंजलि को इसके इस्तेमाल से रोक की मांग की थी। मामले की सुनवाई पहले मद्रास हाईकोर्ट में हुई थी। तब कोर्ट की सिंगल बेंच ने पतंजलि पर 10 लाख रुपये का जुमार्ना लगाते हुए इस ट्रेड मार्क के इस्तेमाल पर रोक लगा दी थी। इसके बाद मद्रास हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच ने सिंगल बेंच के आदेश पर रोक लगा दी। डिवीजन बेंच के पतंजलि को राहत देने वाले आदेश को अरुद्रा इंजीनियरिंग ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने आज सुनवाई से इनकार कर दिया।

पतंजलि ने इसे कोरोना की दवा बताया था

उल्लेखनीय है कि पतंजलि ने इसे कोरोना की दवा बताया था। इसके बाद आयुष मंत्रालय ने दवा की जांच होने तक कोरोनिल के विज्ञापन पर रोक लगा दी थी और बाबा रामदेव की कंपनी से दवा के बारे में पूरी जानकारी उपलब्ध कराने को कहा था। इसके बाद आयुष मंत्रालय ने कहा था कि कोरोनिल को इम्यूनिटी बूस्टर के तौर पर बेचा जा सकता है लेकिन इसे कोरोना की दवा नहीं बताया जा सकता।

ऑटो सेक्टर — नकदी के साथ कंपनियों ने कई तरह से डीलर्स की मदद की, होंडा मोटर्स ने इस दौरान डीलर्स का मार्जिन भी बढ़ा दिया है

300 ऑटो डीलर्स के शोरूम बंद, संकट से बचाने के लिए मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स और होंडा मोटर साइकिल ने शुरू की मदद

नई दिल्ली ■ एजेंसी

मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स और होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) जैसे कार और बाइक निमार्ता ऑटो डीलर्स को बचाने के लिए मैदान में आ गए हैं। यह कंपनियां डीलर्स को नकदी की सहायता के साथ अन्य कई तरह से इन्हें संकट से पार करने में जुटी हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि हाल में काफी सारे डीलर्स की रोजी रोटी बंद हो गई है। अब तक 300 ऑटो डीलर्स ने अपनी दुकानें बंद कर दी हैं।

मार्च में लॉकडाउन के बाद पहली बार अप्रैल में ऑटो की रिटेल बिक्री शून्य पर आ गई। डीलर्स पहले से ही परेशान थे। ऊपर से लॉक डाउन ने उनकी कमर तोड़ दी। इनका वोल्यूम 18 प्रतिशत गिरकर 2.15 करोड़ हो गया। हालात इतने बुरे हो गए कि वित्त वर्ष 2020 के दौरान 300 डीलर्स ने हमेशा के लिए अपनो शोरूम बंद कर दिए हैं। इन डीलर्स के लिए कोई भी मदद के लिए आगे नहीं आया। हालांकि ऑटोमोटिव कंपनियों को इस स्थिति के बारे में पता था और समय रहते इन्होंने पूरी मंदी टाल दी। ऑटोमोटिव कंपनियों द्वारा पिछले कुछ महीनों के दौरान लोन, कर्ज की लंबी अवधि, उच्च मार्जिन, ब्याज सब्सिडी, बैंकों और वित्तीय संस्थानों से इन्वेंट्री लोन हासिल करने में मदद जैसी वित्तीय सहायता दी गई है।

सप्लायर्स और डीलर्स के कैश फ्लो पर दबाव

मारुति सुजुकी इंडिया के मुख्य वित्तीय अधिकारी अजय सेठ ने कहा कि कारोबार के अचानक रुकने से सप्लायर्स और डीलर्स के कैश फ्लो पर बड़ा दबाव पड़ा था। मारुति ने उन्हें नकदी प्रवाह सहायता प्रदान की जिससे कि वे यह सुनिश्चित कर सकें कि वे सैलरी का भुगतान और अन्य दायित्वों को पूरा करने में सक्षम हों। हाल ही में एक एजीएम में शेयरधारकों को जवाब देते हुए टाटा मोटर्स के अध्यक्ष एन चंद्रसेकरन ने कहा था कि टाटा मोटर्स अपने डीलर्स के साथ बहुत सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ है। डीलर इन्वेंट्री अब तक सबसे कम स्तर पर है। तय लागत वाले लोन प्रदान किए गए हैं और मार्जिन एडजस्टमेंट किया गया है।

1,700 करोड़ का पैकेज दिया

देश के दूसरे सबसे बड़े दोपहिया वाहन निमार्ता एचएमएसआई ने अपने डीलर्स, सप्लायर्स और सेवा प्रदाताओं की मदद के लिए 1,700 करोड़ रुपए के पैकेज के हिस्से के रूप में प्रोत्साहन और रिइंबर्समेंट का एडवांस भुगतान किया। न केवल बाइक और कार निमार्ताओं ने जुलाई से अपनी कीमतों में वृद्धि की है बल्कि उन्होंने डीलर का मार्जिन भी बढ़ाया है। सूत्रों का कहना है कि कुछ कंपनियों का लॉकडाउन के उठने और शोरूम को फिर से खोलने के बाद हाल के सप्ताहों में मार्जिन बढ़ा है।

अगस्त में रिटेल बिक्री 60 प्रतिशत रही है

वित्त वर्ष 20 में ही 300 से अधिक डीलर ने स्थायी रूप से अपने शटर गिराए। पिछले तीन साल में बंद हुए 370 डीलर्स में से करीब 14 मारुति सुजुकी के थे। टाटा मोटर्स उन कंपनियों में से एक थी जिन्होंने डीलर्स पर बिक्री के दबाव को कम करने के लिए इन्वेंट्री में महीने दर महीने कमी हासिल करने का दावा किया था। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) ने कहा कि अगस्त में रिटेल बिक्री पिछले साल के मुकाबले 60-70 प्रतिशत पर है। फाडा15,000 से अधिक डीलर्स का प्रतिनिधित्व करता है। लगभग 40 लाख लोगों को रोजगार इन डीलर्स के जरिए मिलता है। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के आंकड़ों के अनुसार जुलाई 2020 में दोपहिया वाहन की संख्या 1.28 मिलियन यूनिट। साल भर पहले यह 1.51 मिलियन यूनिट थी।

लॉकडाउन में भी जियो का जलवा बरकरार, 36 लाख ग्राहक जोड़े

मुंबई ■ एजेंसी

एशिया के सबसे अमीर मुकेश अंबानी की दूरसंचार कंपनी रिलायंस जियो का जलवा निरंतर बरकरार है और कंपनी ने अपने साथ मई-20 में साढ़े 36 लाख से अधिक नये ग्राहक जोड़कर कुल उपभोक्ताओं का आंकड़ा 39 करोड़ को पार करने के साथ ही नंबर एक की स्थिति को और मजबूत कर लिया। भारतीय दूरसंचार नियायक प्राधिकरण (ट्राई) के नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक रिलायंस जियो ने मई 20 में 36 लाख 57 हजार 794 ग्राहक जोड़े और उसके कुल उपभोक्ताओं का आधार 39 करोड़ 27 लाख 49 हजार 930 पर पहुंच गया। इसके साथ ही जियो 34.33 प्रतिशत बाजार हिस्से के साथ अपने प्रतिद्वंदियों से काफी आगे निकल गई है। दूरसंचार क्षेत्र की अन्य दोनों बड़ी निजी कंपनियों भारती एयरटेल और वोडा-आइडिया ने पिछले कुछ महीनों की भांति मई में भी बहुत बड़ी संख्या में ग्राहक खोए। भारती एयरटेल की मोबाइल सेवा को मई में 47 लाख 42 हजार 840 ग्राहकों ने छोड़ दिया और उसके कुल उपभोक्ता 31 करोड़ 78 लाख 259 और बाजार हिस्सा 27.78 प्रतिशत रह गया। वोडा-आइडिया के मई में 47 लाख 26 हजार 357 ग्राहक टूटे और उसका उपभोक्ता आधार घटकर 30 करोड़ 99 लाख 25 हजार 291 तथा मार्केट शेयर 27.09 प्रतिशत रह गया। रिलायंस जियो के अलावा सरकारी दूरसंचार कंपनी बीएसएनएल ने भी मई में दो लाख एक हजार 537 ग्राहक बनाए। उपक्रम का बाजार हिस्सा 10.50 प्रतिशत और उपभोक्ता आधार 11 करोड़ 99 लाख 61 हजार 592 पर पहुंच गया। ट्राई के आंकड़ों के अनुसार मई में 56 लाख 11 हजार 338 ग्राहक कम हुए। कुल उपभोक्ता आधार 114 करोड़ 95 लाख 20 हजार से घटकर 114 करोड़ 39 लाख 10 हजार रह गया। अप्रैल में भी जियो एकमात्र कंपनी थी जिसके ग्राहक बढ़े थे।

आँगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं ने कोरोना योद्धा के रूप में

अपनी भूमिका का किया बेहतर निर्वहनः श्रीमती इमरती देवी

ग्वालियर। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती इमरती देवी ने कहा कि विभागीय योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के साथ कोरोना संक्रमण को रोकने एवं कोरोना के प्रति जन सामान्य को घर-घर जाकर जागरूक करने में महिला एवं बाल विकास विभाग की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका आदि ने कोरोना योद्धा के रूप में अपनी भूमिका का बेहतर निर्वहन किया है। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती इमरती देवी शुक्रवार को डबरा में कम्युनिटी हॉल में आयोजित कोरोना योद्धा सम्मान समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहीं थीं। कार्यक्रम में भाजपा के नेता श्री मोहन सिंह राठौर, डबरा एवं भितरवार परियोजना की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाएँ एवं अधिकारीगण उपस्थित थे।

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती इमरती देवी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं द्वारा विभागीय योजनाओं को धरातल पर पहुँचाने में अहम भूमिका रही है। कोरोना संक्रमण काल में कोरोना योद्धा के रूप में घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करने में भी अपनी भूमिका का बेहतर निर्वहन किया है। इनके इस कार्य को देखते हुए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि विभाग के सभी अधिकारियों एवं मैदानी कर्मचारियों की जिम्मेदारी है कि हम प्रदेश को कुपोषण मुक्त करें। इसके लिये हमें कुपोषित बच्चों पर विशेष ध्यान देकर उन्हें कुपोषण मुक्त कराना है। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती इमरती देवी ने कहा कि महिला एवं बाल विकास के अधिकारी एवं मैदानी कर्मचारियों की लगन एवं मेहनत का ही परिणाम है कि राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश को पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि जिले की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती हेमलता वर्मा की कोरोना सर्वे ड्यूटी के दौरान संक्रमित हो जाने के कारण मृत्यु हो गई थी, जिनके परिजनों को ग्वालियर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा 50 लाख की सहायता राशि प्रदाय की गई। जबकि नियमों को शिथिल कराकर श्रीमती हेमलता वर्मा की पुत्री कु. प्रीति वर्मा को आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के पद पर संविदा अनुकम्पा नियुक्ति प्रदाय की गई। श्रीमती इमरती देवी ने कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं से कहा कि आंगनबाड़ी केन्द्रों को ऐसे विकसित करें कि जो अन्य जिलों के लिये मिशाल बनें।

महिला एवं बाल विकास मंत्री ने कोरोना योद्धाओं का किया सम्मान

मोहन सिंह राठौर ने कहा कि प्रदेश के महिला एवं बाल विकास विभाग को राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। जिसके पीछे प्रदेश की महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री की लगन, मेहनत एवं सूझबूझ का परिणाम है। इसी कड़ी में आज आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं का भी सम्मान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ÷सखी संवाद÷ के माध्यम से महिला एवं बाल विकास मंत्री द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं की समस्याओं के निराकरण की पहल की गई थी। जिसके अच्छे परिणाम प्राप्त हुए थे। उन्होंने कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं से कहा कि आंगनबाड़ी केन्द्रों के स्वरूप में बदलाव आया है। केन्द्रों को बाल शिक्षा केन्द्र के रूप में विकसित किया गया है। कार्यक्रम के शुरू में महिला एवं बाल विकास के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री राजीव सिंह ने ÷कोरोना योद्धा÷ सम्मान समारोह की विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि कोरोना काल के दौरान विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं मैदानी कार्यकर्ताओं ने घर-घर जाकर लोगों को कोरोना के प्रति जागरूक कर मरीजों की पहचान का कार्य पूरी ईमानदारी एवं निष्ठा के साथ किया। कार्यक्रम में सर्वश्री रमेश सेन, भरत श्रीवास्तव, सूर्यभान रावत सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में सहायक संचालक श्री राहुल पाठक ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

प्रदेश में इस वर्ष 70 हजार आदिवासी विद्यार्थियों को दी जाएगी आवासीय सहायता

ग्वालियर। प्रदेश में आदिवासी वर्ग के विद्यार्थी जो अपने गृह निवास से बाहर रहकर महाविद्यालय स्तर की पढ़ाई कर रहे हैं। उन विद्यार्थियों को आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा आवास सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इस वर्ष योजना में 70 हजार आदिवासी विद्यार्थियों को करीब 165 करोड़ रूपये की राशि आवासीय सहायता उपलब्ध कराई जायेगी। आवास सहायता योजना में भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर एवं उज्जैन नगर में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को 2000 रूपये प्रतिमाह, जिला मुख्यालय पर अध्ययन करने वाले प्रति विद्यार्थी को 1250 रूपये एवं तहसील व विकासखंड मुख्यालय पर अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को प्रतिमाह 1000 रूपये की आवासीय सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा पिछले वर्ष 69 हजार 676 आदिवासी विद्यार्थियों को करीब 110 करोड़ रूपये की राशि आवासीय सहायता के रूप में उपलब्ध कराई गई थी।

श्रीमंत माधवराव सिंधिया वृहद सिंचाई परियोजना के सर्वेक्षण के लिए प्रशासकीय स्वीकृति जारी

ग्वालियर। श्रीमंत माधवराव सिंधिया वृहद सिंचाई परियोजना के तहत ग्वालियर, शिवपुरी, श्योपुर एवं भिण्ड जिले में डेढ़ लाख हैक्टेयर रकबे में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। मुख्य अभियंता जल संसाधन यमुना कछार से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस परियोजना के सर्वेक्षण कार्य के लिए 114 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

सांसद श्री शेजवलकर की अध्यक्षता में 31 अगस्त को होगी दिशा की बैठक

ग्वालियर। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक 31 अगस्त को आयोजित होगी। इस दिन यह बैठक प्रातः 11 बजे सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट के सभागार में होगी। बैठक में राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण ज्योति योजना, अमृत योजना, स्मार्ट सिटी मिशन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग की समीक्षा की जायेगी।

स्थायी निरंतर लोक अदालत आज

ग्वालियर। मध्यप्रदेश राज्य प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं माननीय जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकारण श्री दीपक कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन में आगामी स्थायी निरंतर लोक अदालत 29 अगस्त 2020 शनिवार को जिला न्यायालय ग्वालियर में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए ऑनलाइन स्थायी निरंतर लोक अदालत का आयोजन किया जा राहा है। स्थायी निरंतर लोक अदालत में सिविल, आपराधिक, क्लेम प्रकरण, एनआई एक्ट के डिसऑनर प्रकरण, पारिवारिक, वैवाहिक मामले, विद्युत संबंधी इत्यादि प्रकृति के लम्बित मामलो के प्रकरणों में दोनो पक्षों की आपसी सहमती के आधार पर प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा । लोक अदालत के आयोजन हेतु चार खण्डपीठ गठित की गई हैं, जिसमें प्रथम, खण्डपीठ- द्वितीय एडीजे श्री सुदीप कुमार श्रीवास्तव, द्वितीय खण्डपीठ - श्री पी.एल दिनकर, विशेष न्यायाधीश (विद्युत), तृतीय खण्डपीठ - श्री उमेश कुमार गुप्ता, प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय ग्वालियर, चतुर्थ खण्डपीठ - श्री राजेन्द्र सिंह, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी ग्वालियर की रखी गयी है । अतः संबंधित पक्षकार अपने-अपने प्रकराणों में राजीनामा के आधार पर प्रकरण का निराकरण कर लाभ उठा सकते है।

घरेलू बिजली उपभोक्ताओं की 31 अगस्त तक की बकाया राशि आस्थगित करने के निर्देश

ग्वालियर। प्रदेश में कोरोना संक्रमण के दृष्टिगत निम्न आय वर्ग वाले सभी एक किलोवाट तक के घरेलू उपभोक्ताओं के देयकों की 31 अगस्त तक की बकाया राशि को आस्थगित करने के निर्देश दिये गये हैं। इस संबंध में आदेश जारी कर दिये गए हैं। सचिव ऊर्जा श्री आकाश त्रिपाठी ने तीनों विद्युत वितरण कम्पनियों के प्रबंध संचालकों को निर्देशित किया है कि एक किलोवाट तक के संयोजित भार वाले घरेलू उपभोक्ताओं को आगामी सितम्बर एवं अक्टूबर, 2020 में मात्र उनकी वर्तमान मासिक खपत के आधार पर विद्युत देयक जारी किये जायें एवं पूर्व बकाया एवं सरचार्ज राशि का समावेश न किया जाये। इस श्रेणी में माह सितम्बर में जारी होने वाले देयकों में केवल मासिक खपत का देयक जारी होगा अर्थात उसमें कोई भी पिछली बकाया राशि एवं एरियर्स सम्मिलित नहीं होंगे। माह अक्टूबर 2020 के देयकों में मासिक खपत देयक के साथ यदि किसी उपभोक्ता द्वारा माह सितम्बर का देयक नहीं भरा गया है तो उसकी बकाया राशि मय सरचार्ज के शामिल होगी। आस्थगित बकाया राशि (31 अगस्त की स्थिति में) के बारे में पृथक से निर्देश जारी किये जायेंगे। इन निर्देशों का कड़ाई से समय पर पालन सुनिश्चित करने और बिलिंग सॉफ्टवेयर में 31 अगस्त तक अनिवार्यतः आवश्यक परिवर्तन करने के निर्देश दिये गए हैं।

पोर्टल पर पंजीयन से शेष रहे प्रवासी श्रमिकों के लिये पुन : एक अवसर

7 सितंबर से 11 सितंबर तक करा सकेंगे पंजीयन

ग्वालियर। राज्य सरकार द्वारा प्रवासी श्रमिकों को उनके कौशल अनुरूप रोजगार प्रदान के लिये रोजगार सेतु पोर्टल बनाया गया है। इस पोर्टल पर पंजीयन से वंचित रहे प्रवासी श्रमिकों को पंजीयन करवाने का एक और अवसर प्रदान किये जाने का निर्णय राज्य शासन द्वारा लिया गया है। इसके लिये 7 से 11 सितंबर की पाँच दिवसीय अवधि के लिये प्रवासी श्रमिकों के पंजीयन की सुविधा रोजगार सेतु पोर्टल पर उपलब्ध रहेगी। प्रमुख सचिव, श्रम ने सभी जिला कलेक्टर्स को पत्र लिखकर ऐसे प्रवासी श्रमिकों का पंजीयन रोजगार सेतु पोर्टल पर करने के निर्देश दिये है, जो पोर्टल पर पंजीयन से वंचित रह गये है। प्रवासी श्रमिकों के पंजीयन के लिये जनपद पंचायतों एवं नगरीय निकायों द्वारा ऐसे प्रवासी श्रमिकों को सूचीबद्ध किया जाएगा और कलेक्टर के माध्यम से इस आशय का सत्यापन होगा कि ये श्रमिक एक मार्च 2020 के बाद ही अन्य राज्यों से जिले में वापस लौटे हैं तथा पूर्व अभियान के दौरान इनका पंजीयन रोजगार सेतु पोर्टल पर नहीं हो सका था। श्रमिकों का सूचीकरण एवं सत्यापन की कार्यवाही 5 सितंबर तक करने के निर्देश दिये गये है। श्रमिकों को सूचीकरण और सत्यापन के बाद संबंधित निकाय द्वारा निर्धारित अवधि में अपने लॉगिन आई.डी. एवं पासवर्ड के माध्यम से पंजीकरण की कार्यवाही पूर्ण की जाएगी।

गौरतलब है कि कोरोना संकटकाल मे मध्यप्रदेश के मूल निवासी प्रवासी श्रमिक जो एक मार्च 2020 या उसके उपरांत मध्यप्रदेश लौटे थे। उनके लिये 27 मई से 6 जून के मध्य चले अभियान चलाकर रोजगार सेतु पोर्टल में पंजीयन किया गया था।

फायर सेफ्टी हेतु भूमि विकास नियम, 2012 में किये गये संशोधनों पर एमपीसीसीआई ने राज्य शासन को प्रेषित किये सुझाव

ग्वालियर। म.प्र. चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री (एमपीसीसीआई) द्वारा फायर सेफ्टी हेतु भूमि विकास नियम, 2012 में किये गये संशोधनों पर राज्य शासन द्वारा सुझाव/आपत्तियां आमंत्रितकी गई थी। एमपीसीसीआई द्वारा इस पर सुझाव प्रेषित किये गये हैं। एमपीसीसीआई अध्यक्ष-विजय गोयल, संयुक्त अध्यक्ष-प्रशांत गंगवाल, उपाध्यक्ष-पारस जैन, मानसेवी सचिव-डॉ. प्रवीण अग्रवाल, मानसेवी संयुक्त सचिव-ब्रजेश गोयल एवं कोषाध्यक्ष-वसंत अग्रवाल द्वारा प्रेस को जारी विज्ञप्ति में अवगत कराया गया है कि -

1. भवनों को निर्मित किए जाने हेतु उस भवन की ऊंचाई एवं तलघर उसकी विभक्त सारणी/श्रेणी पर आधारित नियमावली निर्धारित है। उसी प्रकार से फायर सिस्टम इंस्टॉलेशन एवं नियमित जांच की व्यवस्था भी उसी सूक्ष्म एवं व्यापक स्तर पर भवनों की विभक्त श्रेणी पर आधारित होकर बनाया जाना चाहिए। यानी छोटे-बड़े भवनों के लिए एक

सी नीति न बनाकर भवनों के प्रकार के आधार पर बनाई जानी चाहिए।

2. आवासीय, कमर्शियल, औद्योगिक, स्कूल, हॉस्टल, हॉस्पिटल, होटल, मैरिज, गार्डन, धर्मशाला, मंदिर, आश्रय घर, मंदिर, मस्जिद, गिरजाघर जैसे भीड़ इकट्ठा होने वाले स्थानों वाले भवनों के बीच की मंजिलों में आगजनी की घटना होने पर उससे ऊपर की मंजिलों में मौजूद व्यक्तियों को तल मंजिल पर लाने की सुलभ व्यवस्था का विकल्प बनाया जाना आवश्यक होना चाहिए7

3. अति ज्वलनशील पदार्थों का व्यापार एवं भंडारण करने वाली संस्थाओं एवं दुकानदारों को अपने व्यवसाय क्षेत्र में फिर वह चाहे कितना भी छोटा या बड़ा हो पदार्थ की स्टॉक क्षमता के आधार पर फायर सिस्टम इंस्टॉल होने की बाध्यता होनी चाहिए7

4. आगजनी के नुकसान से बचाव के लिए निगम द्वारा समय-समय पर नाट्य मंचन, मॉक ड्रिल जैसी गतिविधियां नियमित रूप से संचालित किया जाते रहना चाहिए।

5. भवन में एक इकाई से अधिक आवासीय और गैर-आवासीय इकाइयां निर्मित किए जाने पर प्रकोष्ठ अधिनियम के तहत पंजीकृत भवन में कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र प्राप्त होने के उपरांत फायर सिस्टम के प्रतिवर्ष ऑडिट कराने की जिम्मेदारी उसकी वेलफेयर सोसाइटी की होना चाहिए। इससे भवन निर्माता व्यक्ति, संस्था, निकाय आदि की जिम्मेदारी भवन निर्माण कंपलीशन सर्टिफिकेट के साथ ही समाप्त होना चाहिए।

अचलेश्वर महादेव की पिण्डी ऊपर करें : न्यास की मनमानी का विरोध

ग्वालियर। अचलेश्वर महादेव मंदिर के पूर्व सूचना सचिव व मेला व्यापारी संघ के अध्यक्ष महेन्द्र भदकारिया, मेला व्यापारी संघ के उपाध्यक्ष अनिल पुनियानी , मेला व्यापारी संघ के विधि सलाहकार व अचलेश्वर न्यास के सदस्य आदित्य बल्लभ त्रिपाठी ने आपत्ति उठाई है । उनका कहना है कि अचलेश्वर महादेव के जीर्णोद्धार व पुर्ननिर्माण के दौरान गर्भगृह का चबूतरा काफी ऊंचा कर दिया गया है और गर्भगृह व पिण्डी नीचे हो गई है। जिससे श्रद्धालुओं को पूजा पाठ में काफी परेशानी हो रही है। अचलेश्वर महादेव मंदिर न्यास से जुडे हुये सभी लोगों का कहना है कि गर्भ गृह से ऊंचा चबूतरा उकेरने से महादेव जी की पिण्डी काफी नीचे हो गई है। जिससे यहां पूजा अर्चना के लिये आने वाले भक्तों को जलाभिषेक करने, पूजन सामग्री आदि चढाने में काफी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। अचलेश्वर महादेव मंदिर न्यास अध्यक्ष हरीदास अग्रवाल को लिखे गये पत्र में न्यास सदस्यों ने कहा है कि इस तरह का निर्माण भारतीय मंदिरों में प्रयुक्त की जाने वाली पारंपरिक वस्तु एवं स्थापत्यकला के सर्वथा विरूद्ध है, मंदिरों में देव प्रतिमा या पिण्डी सदैव उच्च धरातल पर स्थापित होती है। न्यास सदस्यों ने तत्काल इस पर ध्यान देने की जरूरत बताई है।

13 वीं वाहिनी में हर्बल पार्क बना, संतोष सिंह ने भी इलायची का पौधा रोपा

ग्वालियर। ग्वालियर में पुलिस अधिकारी भी अब पर्यावरण और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सक्रिय काम कर रहे हैं। इस दिशा में 13 वीं वाहिनी में कल हर्बल पार्क का शुभारंभ किया गया, इस पार्क में एसएएफ आईजी संतोष कुमार सिंह ने इलायची का पौधा रोपा। इस मौके पर एसएएफ डीआईजी विनीत खन्ना, 13 वीं बटालियन के कमांडेंट आलोक कुमार सिंह आदि मौजूद थे। 13 वीं बटालियन में बने इस हर्बल पार्क से पीटीएस में प्रशिक्षणरत जवानों को औषधियों एवं इनसे किये जाने वाले उपचार के संघर्ष में जानकारी हो सकेगी। इसका लाभ 13 वीं वाहिनी के अधिकारी व कर्मचारी भी उठा सकेंगे। हर्बल पार्क में 500 पौधों का रोपण किया गया है। बाद में दूसरे चरण में 500 पौधों और रोपे जायेंगे। 13 वीं वाहिनी के कमांडेंट आलोक कुमार सिंह ने बताया कि हर्बल पार्क ग्वालियर में अन्य लोगों को भी प्रेरणा देगा, इससे औषधीय ज्ञान संपदा का लाभ सभी उठा सकेंगे।

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ
पुष्पांजली टुडे
क्लासिफाइड में अगले दिन प्रकाशित होने वाले विज्ञापन की बुकिंग सुबह 10 बजे से सांय 6 बजे तक
डिस्प्ले क्लासिफाइड 25/ रु Sq.Cm.
(Min. size 5×9)
कोर्ट नोटिस / आम सूचना साइज
12×5 - 2000 रु
निःशुल्क
बच्चों के बर्थडे एवं शादी की सालगिरह श्रद्धांजलि शोक संदेश उठावनी
संपर्क सूत्र : 8269307478,7999246560

प्रतिभा हम निखारेंगे
अगर आपके अंदर है कोई जज्बा तो उभर कर आइये आगे आपकी लिखी हुई कहानी लेख कविताओं को हम देंगे जगह, आपके अंदर की प्रतिभाओं को हम उभरेंगे। तो देर किस बात की अभी हमे भेंजे अपनी कविता,लेख,कहानी,या फिर देख की आर्थिक स्थति या फिर स्वच्छता के ऊपर अपने विचार आप हमें व्हाट्सएप या मेल कर सकते है।
हमारा उद्देश्य - भारत को में छिपी प्रतिभाओं को बाहर निकलना।
पुष्पांजली टुडे
E-mail - pushpanjalitoday@gmail.com
Whatsapp :- 8269307478,7999246560,9691270207
नोट : मेल करते समय ध्यान रखे भेजने वाला व्यक्ति अपनी फोटो और नाम/पता/व्हाट्सएप अवश्य भेंजे

Pro- Bipin Singh Tomar
9301759475 9713253992
Mail-Vipintomar172@gmail.com
Somya Advertise & Marketing Service
Boost Your Business In Lockdow
Promote Your Business & Generate Leads
Bulk Sms & Voice call Marketing
Bulk Whatsapp Sender
Digital Marketing
Door To Door Marketing
Flex And Pritning & Printing Media
E. media, FM Redio
Add- Radha Krishna Plaza Near By Police Choki Sabji Mandi Pinto Park Gwalior (M.P.)

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478